

प्रधानमंत्री कार्यालय

प्रधानमंत्री ने आईसीपी बिराटनगर का दूरवर्ती उद्घाटन किया और नेपाल में आवासीय पुनर्निर्माण परियोजना की प्रगति का अवलोकन किया

प्रविष्टि तिथि: 21 JAN 2020 12:11PM by PIB Delhi

मेरे मित्र और नेपाल के माननीय प्रधानमंत्री राईट ऑनरेबल के पी शर्मा ओली जी,

दोनों देशों के वरिष्ठ मंत्री और अधिकारीगण,

नमस्कार!

सबसे पहले मैं अपनी ओर से और सभी भारतवासियों की ओर से ओली जी और नेपाल में हमारे सभी मित्रों को नववर्ष 2020 की शुभकामनाएं देता हूं।

यह सिर्फ नया वर्ष ही नहीं, बल्कि एक नया दशक शुरू हुआ है।

मैं कामना करता हूं कि यह नया दशक आप सबके लिए अच्छा स्वास्थ्य, दीर्घ आयु, प्रगति, प्रसन्नता और शांति लेकर आए।

दोनों देशों के विभिन्न क्षेत्रों में संक्रांति का पर्व भी अलग-अलग रूप-रंग, लेकिन समान उत्साह के साथ पिछले हफ्ते मनाया गया। इस पर्व के अवसर पर भी मैं आप सबको शुभकामनाएं देना चाहूंगा।

Excellency,

इस नए साल और नए दशक की शुरुआत में ही हम आज के इस शुभ कार्य में एक साथ शामिल हो रहे हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है।

पिछले पांच महीनों में हम दूसरी बार दोनों देशों के बीच bilateral projects का उद्घाटन video link द्वारा कर रहे हैं। यह भारत-नेपाल संबंधों के विस्तार और तेज विकास का प्रतीक है।

Friends,

नेपाल के चहुंमुखी विकास में, नेपाल की प्राथमिकताओं के अनुसार भारत एक विश्वसनीय partner की भूमिका अदा करता रहा है।

‘Neighborhood First’ मेरी सरकार की प्राथमिकता रही है। और cross-border connectivity को बढ़ाना इस पालिसी का एक प्रमुख ध्येय है।

बेहतर Connectivity का महत्व तब और भी बढ़ जाता है, जब बात भारत और नेपाल की होती है। क्योंकि हमारे सम्बन्ध सिर्फ पड़ोसियों के ही नहीं हैं। इतिहास और भूगोल ने हमें प्रकृति, परिवार, भाषा, संस्कृति, प्रगति और न जाने कितने धागों से जोड़ा है।

इसलिए, हम दोनों देशों के बीच अच्छी connectivity हमारे जीवन को और नज़दीक से जोड़ती है और हमारे दिलों के बीच नए रास्ते खोलती है।

Connectivity न सिर्फ देश के बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास के लिए एक कैटेलिस्ट का काम करती है।

Neighborhood में सारे मित्र देशों के साथ आवागमन को सरल और सुचारु बनाने, और हमारे बीच व्यापार, संस्कृति, शिक्षा, इत्यादि क्षेत्रों में संपर्क को और सुगम बनाने के लिए भारत प्रतिबद्ध है।

भारत और नेपाल कई cross-border connectivity projects जैसे रोड, रेल और transmission lines पर काम कर रहे हैं। हमारे देशों के बीच सीमा के प्रमुख स्थानों पर Integrated Check Posts आपसी व्यापार और आवागमन को बहुत सुविधाजनक बना रही हैं।

Excellency,

ICP बनाने के प्रथम चरण में हमने बीरगंज और बिराटनगर में ICP के विकास का निर्णय लिया था। बीरगंज की ICP का हमने 2018 में उद्घाटन किया।

अब बिराटनगर में भी ICP का शुरू हो जाना बहुत हर्ष का विषय है। भारत की ओर रक्सौल और जोगबनी में पहले से ही यह सुविधा उपलब्ध है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हम ऐसी और कई आधुनिक सुविधाओं का विकास करेंगे।

Excellency,

2015 का भूकंप एक दर्दनाक हादसा था। भूकंप जैसी प्राकृत आपदाएं मनुष्य की दृढ़ता और निश्चय की परीक्षा लेती हैं। हर भारतीय को गर्व है कि इस त्रासदी के दुःखद परिणामों का सामना हमारे नेपाली भाइयों और बहनों ने साहस के साथ किया।

बचाव और सहायता में First Responder की सक्रिय भूमिका के बाद भारत पुनर्निर्माण में अपने नेपाली साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है। निकटम पड़ोसी और मित्र के नाते यह हमारा कर्तव्य था।

इसलिए, गोरखा और नुवाकोट जिलों में घरों के पुनर्निर्माण में अच्छी progress देख कर मुझे बहुत संतोष मिला।

हमारी कोशिश रही है कि हम इन घरों को 'Build Back Better' के सिद्धांत पर बनायें। और 'earthquake resilient techniques' के इस्तेमाल से ये मजबूत और टिकाऊ बनें।

Coalition for Disaster रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर को लांच करने में भारत का उद्देश्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करना है।

यह बहुत संतोष का विषय है कि भारत-नेपाल सहयोग के अंतर्गत पचास हजार में से पैतालीस हजार घरों का निर्माण हो चुका है। हमारी आशा है कि बाकी घरों का निर्माण भी शीघ्र पूरा होगा। और इन घरों को नेपाली भाइयों और बहनों को जल्दी ही समर्पित किया जा सकेगा।

Excellency,

आपके सहयोग से बीते कई वर्षों में भारत-नेपाल संबंधों में अभूतपूर्व प्रगति देखने को मिली है। हमारा सहयोग और विकास की पार्टनरशिप तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही, हमने कई नए क्षेत्रों में भी सहयोग शुरू किया है।

मेरी कामना है कि नए वर्ष में आपके सहयोग और समर्थन से हम अपने संबंधों को और ऊँचाई पर ले जाएं। और यह नया दशक भारत-नेपाल संबंधों का स्वर्णिम दशक बने।

एक बार फिर अच्छे स्वास्थ्य और सभी सफलता के लिए आपको शुभकामनाएं देता हूं। और इस कार्यक्रम के लिए वीडियो संपर्क द्वारा जुड़ने पर मैं आपको बहुत धन्यवाद भी देता हूं।

अंत मा, तपाईं हरू सबै लाइ धेरै शुभकामना दिन्छु।

नमस्कार।

आर.के.मीणा/आरएनएम/एकेपी/एमएस-5377

(रिलीज़ आईडी: 1599969) आगंतुक पटल : 298

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Bengali , Punjabi , Gujarati

प्रधानमंत्री कार्यालय

ब्राजील के राष्ट्रपति की राजकीय यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री द्वारा मीडिया वक्तव्य (जनवरी 25, 2020)

प्रविष्टि तिथि: 25 JAN 2020 2:21PM by PIB Delhi

Your Excellency ब्राजील के राष्ट्रपति श्री जेएर बोल्सोनारो
दोनों देशों के वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी गणरो
रो
Friends,
नमस्कार।

boa tarde (Good Morning)
bem-vindo à India

मेरे मित्र राष्ट्रपति बोल्सोनारो और उनके उच्च-स्तरीय delegation का मैं भारत में हार्दिक स्वागत करता हूँ। पिछले आठ महीनों में यह हमारी तीसरी मुलाकात है। यह हमारे बीच बढ़ती मित्रता और दोनों देशों के बीच गहराते संबंधों को दर्शाती है।

Excellency,

यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारे 71वें गणतंत्र दिवस पर आप हमारे मुख्य अतिथि हैं। कल राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में आप भारत की विविधता का रंग-बिरंगा और उल्लासपूर्ण स्वरूप देखेंगे। ब्राजील खुद भी उल्लास से भरे पर्वों का देश है। एक मित्र के साथ इस विशेष पर्व पर हम अपनी खुशी साझा करेंगे। भारत का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। यह तीसरा अवसर है जब ब्राजील के राष्ट्रपति ने यह सम्मान हमें दिया है। और भारत और ब्राजील के बीच मजबूत मित्रता का प्रतीक है।

Friends,

भारत और ब्राजील की स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप हमारी समान विचारधारा और मूल्यों पर आधारित है। इसलिए, भौगोलिक दूरी के बावजूद हम विश्व के अनेक मंचों पर साथ हैं। और विकास में एक-दूसरे के महत्वपूर्ण पार्टनर भी हैं। इसलिए, आज राष्ट्रपति बोल्सोनारो और मैं हमारे द्विपक्षीय सहयोग को सभी क्षेत्रों में और बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। हमारी Strategic Partnership को और मजबूत करने के लिए एक वृहद् Action Plan तैयार किया गया है। सन् 2023 में दोनों देशों के बीच diplomatic संबंधों की platinum jubilee होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि तब तक यह Action Plan हमारी strategic partnership, people-to-people ties और business cooperation को और गहरा बनाएगा।

मुझे खुशी है कि हमने आज कई महत्वपूर्ण समझौते भी किए हैं। निवेश हो या अपराधिक मामलों में कानूनी सहायता, ये समझौते हमारे सहयोग को नया आधार देंगे। विविध क्षेत्रों, जैसे Bio-Energy, Cattle Genomics, Health and Traditional Medicine, Cyber Security, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तेल और गैस तथा संस्कृति में हमारा सहयोग और तेज़ी से आगे बढ़ेगा। गायों की स्वस्थ और उन्नत प्रजातियों पर सहयोग हमारे संबंधों का एक अनूठा और सुखद पहलू है। किसी समय, भारत से गीर और कंकरेजी गायें ब्राजील गयी थी। और आज, ब्राजील और भारत इस विशेष पशुधन को बढ़ाने और उससे मानवता को लाभ पहुंचाने पर सहयोग कर रहे हैं। इस सहयोग के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को किसी भी भारतीय के लिए शब्दों में बयान कर पाना मुश्किल है।

Friends,

परंपरागत क्षेत्रों के अलावा कई नए क्षेत्र भी हमारे संबंधों में जुड़ रहे हैं। हम defence industrial cooperation को बढ़ाने के लिए नए तरीकों पर focus कर रहे हैं। रक्षा सहयोग में हम broad-based

partnership चाहते हैं। इन संभावनाओं को देखते हुए हमें खुशी है कि अगले महीने लखनऊ में DefExpo 2020 में ब्राजील का एक बड़ा delegation भाग लेगा। मुझे प्रसन्नता है कि bio-energy, Ayurveda और advanced computing पर research में सहयोग बढ़ाने पर हमारे academic और research institution के बीच सहमति बनी है।

Excellency,

भारत के economic transformation में ब्राजील एक valuable partner है। Food और energy के क्षेत्रों में हमारी आवश्यकताओं के लिए हम ब्राजील को एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में देखते हैं। हमारा द्विपक्षीय व्यापार हालांकि बढ़ रहा है। दोनों बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच complementarities (पूरकताओं) को देखते हुए हम इसे बहुत अधिक बढ़ा सकते हैं। आपके साथ ब्राजील के प्रभावशाली business delegation का भारत में स्वागत करके हमें खुशी है। मुझे विश्वास है कि भारतीय उद्यमियों और व्यापारियों के साथ उनकी मुलाकातों के अच्छे परिणाम आयेंगे।

Friends,

दोनों देशों की ओर से investment को सुगम बनाने के लिए आवश्यक legal framework तैयार किया गया है। आज के inter-connected विश्व में भारत और ब्राजील के बीच Social Security Agreement Professionals के आसान आवागमन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

Friends,

दो बड़े लोक तांत्रिक और विकासशील देश होने के नाते महत्वपूर्ण global और multilateral मुद्दों पर भारत और ब्राजील के विचारों में गहरी समानता है। चाहे आतंकवाद की गंभीर समस्या हो या पर्यावरण का प्रश्न। विश्व के सामने मौजूदा कठिन चुनौतियों पर हमारा नजरिया बहुत मिलता-जुलता है। ब्राजील और भारत के हित समान हैं। विशेष रूप से BRICS और IBSA में हमारी partnership, भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। आज हमने तय किया है कि दोनों देश multilateral मुद्दों पर अपने सहयोग को और दृढ़ बनायेंगे। और हम सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में आवश्यक सुधार के लिए मिलकर प्रयासरत रहेंगे।

साथियों,

मैं एक बार फिर राष्ट्रपति बोल्सनारो और उनके delegation का भारत में स्वागत करता हूँ। उनकी यह यात्रा भारत-ब्राजील संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

Muito obrigado

धन्यवाद।

VRRK/KP

(रिलीज़ आईडी: 1600515) आगंतुक पटल : 343

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Bengali , Punjabi , Gujarati

प्रधानमंत्री कार्यालय

श्रीलंका के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रेस वक्तव्य

प्रविष्टि तिथि: 08 FEB 2020 3:07PM by PIB Delhi

Your Excellency,
प्रधानमंत्री महिंद राजपक्ष,

Distinguished Delegates,

आयुबोवन!
वणक्कम!
नमस्कार!

सबसे पहले तो मैं अपने मित्र महिंद राजपक्ष को प्रधानमंत्री बनने के लिए हृदय से बधाई देता हूँ। पदभार सँभालने के तुरंत बाद उन्होंने मेरा निमंत्रण स्वीकार किया और अपने पहले विदेश दौरे के लिए भारत को चुना। इसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। कुछ दिन पहले, श्रीलंका ने अपनी आज़ादी की बहत्तरवीं वर्षगाँठ मनाई है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री राजपक्ष और श्रीलंका के सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

Friends,

भारत और श्रीलंका अनादि काल से पड़ोसी भी हैं, और घनिष्ठ मित्र भी हैं। हमारे संबंधों के इतिहास का ताना-बाना संस्कृति, धर्म, आध्यात्म, कला और भाषा जैसे अनगिनत रंग-बिरंगे धागों से बुना गया है। चाहे सुरक्षा हो या अर्थव्यवस्था या सामाजिक प्रगति, हर क्षेत्र में हमारा अतीत और हमारा भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। श्रीलंका में स्थायित्व, सुरक्षा, और समृद्धि भारत के हित में तो है ही, पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र के हित में भी है। और इसलिए, इंडो-पेसिफ़िक क्षेत्र में भी शांति और खुशहाली के लिए हमारा घनिष्ठ सहयोग बहुमूल्य है। हमारी सरकार की "Neighbourhood First" नीति और "सागर" डॉक्ट्रिन के अनुरूप हम श्रीलंका के साथ संबंधों को एक विशेष प्राथमिकता देते हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास के लिए भारत के साथ मिल कर काम करने के श्रीलंका सरकार के संकल्प का हम स्वागत करते हैं।

Friends,

आज प्रधानमंत्री राजपक्ष और मैंने हमारे द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलूओं और आपसी हित के अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। आतंकवाद हमारे क्षेत्र में एक बहुत बड़ा खतरा है। हम दोनों देशों ने इस समस्या का डट कर मुकाबला किया है। पिछले साल अप्रैल में श्रीलंका में "ईस्टर डे" पर दर्दनाक और बर्बर आतंकी हमले हुए थे। ये हमले सिर्फ़ श्रीलंका पर ही नहीं, पूरी मानवता पर भी आघात थे। और इसलिए, आज की हमारी बातचीत में हमने आतंकवाद के खिलाफ़ अपना सहयोग और बढ़ाने पर चर्चा की। मुझे इस बात पर प्रसन्नता है कि भारत के प्रमुख ट्रेनिंग संस्थानों में आतंकवाद विरोधी कोर्सेज में श्रीलंका के पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लेना शुरू किया है। दोनों देशों की एजेंसीज के बीच संपर्क और सहयोग को और अधिक मजबूत करने के लिए भी हम प्रतिबद्ध हैं।

Friends,

आज की बातचीत में हमने श्रीलंका में Joint Economic Projects पर, और आर्थिक, व्यापारिक, और निवेश संबंधों को बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया। हमने अपने People-to-People संपर्क बढ़ाने, पर्यटन को प्रोत्साहन देने, और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की।

चेन्नई और जाफ़ना के बीच हाल ही में सीधी फ्लाइट की शुरुआत, इसी दिशा में हमारे प्रयासों का हिस्सा है। इस सीधी फ्लाइट से श्रीलंका के उत्तरी क्षेत्र की तमिल जनसँख्या के लिए कनेक्टिविटी के विकल्प बढ़ेंगे। और यह इस क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए भी लाभकारी होगी। इस फ्लाइट को मिला अच्छा response हम दोनों के लिए प्रसन्नता का विषय है। इस संपर्क को और बढ़ाने, सुधारने, और स्थाई बनाने के लिए और प्रयास करने पर भी हमने चर्चा की।

Friends,

श्रीलंका के विकास प्रयासों में भारत एक विश्वस्त भागीदार रहा है। पिछले साल घोषित नई Lines of Credit से हमारे विकास सहयोग को और अधिक बल मिलेगा। हमें खुशी है कि श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्र में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए 48,000 से ज्यादा घरों के निर्माण का इंडियन हाउसिंग प्रोजेक्ट पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा अप-कंट्री क्षेत्र में भारतीय मूल के तमिल लोगों के लिए कई हजार घरों के निर्माण का कार्य भी प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री राजपक्ष और मैंने मछुआरों के मानवीय मुद्दे पर भी चर्चा की। इस विषय का प्रभाव दोनों देशों के लोगों के जीवनयापन पर सीधे रूप से पड़ता है। और इसलिए, हम इस मुद्दे पर Constructive और मानवतापूर्ण Approach जारी रखने पर सहमत हैं।

Friends,

श्रीलंका में री-कन्सीलिएशन से सम्बंधित मुद्दों पर हमने खुले मन से बातचीत की। मुझे विश्वास है कि श्रीलंका सरकार United श्रीलंका के भीतर समानता, न्याय, शांति, और सम्मान के लिए तमिल लोगों की अपेक्षाओं को साकार करेगी। इसके लिए यह आवश्यक होगा कि श्रीलंका के संविधान में तेरहवें संशोधन को लागू करने के साथ-साथ री-कन्सीलिएशन की प्रक्रिया को आगे ले जाया जाए।

Friends,

मैं एक बार फिर प्रधानमंत्री राजपक्ष का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूँ। मुझे विश्वास है कि उनकी इस यात्रा से भारत और श्रीलंका की मैत्री और बहु-आयामी सहयोग और अधिक मजबूत होंगे। साथ ही, दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय शांति और स्थायित्व के लिए सहयोग भी बढ़ेगा।

बोहोमा स्थिति,
नंद्री,
धन्यवाद।

VRRK/KP

(रिलीज़ आईडी: 1602520) आगंतुक पटल : 366

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

प्रधानमंत्री कार्यालय

गुजरात के अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 24 FEB 2020 3:51PM by PIB Delhi

भारत माता की जय,

भारत माता की जय,

भारत माता की जय,

नमस्ते ट्रंप, नमस्ते ट्रंप, मैं कहूंगा India-US friendship आप बोलेंगे long live- long live. India-US friendship, India-US friendship, India-US friendship।

नमस्ते,

आज मोटेरा स्टेडियम में एक नया इतिहास बन रहा है। आज हम इतिहास को दोहराते हुए भी देख रहे हैं। पांच महीने पहले मैंने अपनी अमेरिका यात्रा की शुरुआत Houston में हुए Howdy Modi कार्यक्रम से की थी और आज मेरे दोस्त President Donald Trump अपनी ऐतिहासिक भारत यात्रा का आरंभ अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप से कर रहे हैं। आप कल्पना कर सकते हैं वो अमेरिका से सीधे यहां पहुंचे हैं। इतनी लंबी journey के बाद भारत में उतरते ही President Trump और उनका परिवार सीधे साबरमती आश्रम गया और फिर इस कार्यक्रम में आया है। दुनिया की इस सबसे बड़ी Democracy में आपका हृदय से बहुत-बहुत स्वागत है। ये धरती गुजरात की है लेकिन आपके स्वागत के लिए जोश पूरे हिंदुस्तान का है। ये उत्साह, ये आसमान तक गूंजती आवाज़, ये पूरा वातावरण एयरपोर्ट से लेकर यहां स्टेडियम तक हर तरफ भारत की विविधताओं के रंग ही रंगा हुआ नजर आ रहा है। और इन सबके बीच President Trump, First Lady Melania Trump, Ivanka और Jared की उपस्थिति, President Trump का अपने परिवार के साथ यहां आना भारत-अमेरिका रिश्तों को एक परिवार जैसी मिठास और घनिष्ठता की पहचान दे रहा है। India-USA Relations are no longer just another partnership, it is a far, greater and closer relationship. इस कार्यक्रम का जो नाम है – 'नमस्ते' उसका मतलब भी बहुत गहरा है। ये दुनिया की प्राचीनतम भाषाओं में से एक संस्कृत का शब्द है। इसका भाव है कि सिर्फ व्यक्ति को ही नहीं उसके भीतर व्याप्त divinity को भी हम नमन करते हैं। इतने भव्य समारोह के लिए मैं गुजरात के लोगों का, गुजरात में रहने वाले अन्य राज्य के लोगों का अभिनंदन करता हूँ। Mr. President, friends आज आप उस भूमि पर हैं जहां 5 हजार साल पुराना planned city धोलावीरा रहा है और इतना ही पुराना lothel sea port भी रहा है। आज आप उस साबरमती नदी के तट पर हैं जिसका भारत की आजादी में अहम स्थान रहा है। आज आप विविधता से भरे उस भारत में हैं जहां सैंकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं। सैंकड़ों तरह के परिधान हैं, सैंकड़ों तरह के खानपान हैं, अनेकों पंथ और समुदाय हैं। हमारी ये Rich Diversity, Diversity में Unity और Unity की Vibrancy भारत और अमेरिका के बीच मजबूत रिश्ते का बहुत बड़ा आधार है। एक Land of the Free है, तो दूसरा पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। एक को statue of liberty पर गर्व है, तो दूसरे को दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा सरदार पटेल की Statue of Unity का गौरव है। there is so much that we share, Shared Values and Ideals, Shared Spirit of Enterprise and Innovation, Shared Opportunities and Challenges, Shared

Hopes and Aspirations. मुझे खुशी है कि President Trump की लीडरशीप में भारत और अमेरिका की friendship और अधिक गहरी हुई है और इसलिए President Trump की ये यात्रा भारत और अमेरिका के संबंधों का नया अध्याय है। एक ऐसा अध्याय जो अमेरिका और भारत के लोगों को progress and prosperity का नया दस्तावेज़ बनेगा।

Friends,

President Trump बहुत बड़ा सोचते हैं और अमेरिकन ड्रीम को साकार करने के लिए उन्होंने जो कुछ किया है दुनिया उससे भली-भांति परिचित है। आज हम पूरे ट्रंप परिवार का विशेष अभिनंदन करते हैं, first lady Melania Trump आपका यहां होना हमारे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। Healthy और Happy अमेरिका के लिए आपने जो किया है उसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। समाज में बच्चों के लिए आप जो कर रही हैं वो प्रशंसनीय है। आप कहती हैं - Be Best! आपने अनुभव किया होगा कि आज के स्वागत समारोह में भी लोगों की यही भावना प्रकट होती है। Ivanka दो वर्ष पहले आप भारत आई थी, तब आपने कहा था कि मैं दोबारा भारत आना चाहूंगी। मुझे खुशी है कि आज आप फिर से हमारे बीच में हैं, आपका स्वागत है। Jared आपकी विशेषता है कि आप लाइम-लाइट से दूर रहते हैं लेकिन आप जो काम करते हैं उसका प्रभाव बहुत होता है, उसके दूरगामी परिणाम निकलते हैं। जब भी आपसे मिलने का मौका मिला तो आपने अपने भारतीय दोस्तों की भरपूर चर्चा भी करते रहते हैं। आपसे मिलकर, आज आपको यहां देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

साथियों, आज इस मंच से हर भारतीय और अमेरिका के साथ ही पूरी दुनिया President Trump को सुनना चाहती है। उनके संबोधन के बाद मैं उन्हें धन्यवाद देते हुए आपसे और भी कुछ बातें जरूर करूंगा।

मैं 130 करोड़ भारतीयों की तरफ से President Trump को निमंत्रित करता हूं। Friends, I present to you my friend , India's friend The President of The United states of America- Mr. Donald Trump.

VRRK/KP-5916

(रिलीज़ आईडी: 1604179) आगंतुक पटल : 314

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Bengali , Punjabi , Gujarati , Telugu

प्रधानमंत्री कार्यालय

गुजरात के अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का समीपन संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 24 FEB 2020 5:04PM by PIB Delhi

Thank You Mr. President,

आपने अभी जो भारत के बारे में कहा महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद और सरदार पटेल को श्रद्धापूर्वक याद किया, भारत के लोगों के सामर्थ्य के बारे में कहा, उपलब्धियां और संस्कृति के बारे में कहा मेरे बारे में भी बहुत कुछ कहा। मैं उसके लिए प्रत्येक भारतवासी की तरफ से आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। प्रेसिडेंट ट्रंप ने न सिर्फ भारत का गौरव बढ़ाया है बल्कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों का भी सम्मान किया है।

Mr. President, जहां से आपने भारतीयों को संबोधित किया है, वो दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम है। खेल संबंधित कुछ सुविधाएं यहां अभी Under-Construction हैं। फिर भी यहां आपका यहां आना, खेल जगत से जुड़े हर व्यक्ति को भी उत्साहित करेगा। मैं, गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन का भी धन्यवाद करता हूँ। उन्होंने ये शानदार venue इस कार्यक्रम के लिए उपलब्ध कराया। हो सकता है इससे उनके completion timetable में कुछ परिवर्तन आया हो, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि वो इसे make-up कर लेंगे।

साथियों,

दो व्यक्ति हों या दो देशों के संबंध, उसका सबसे बड़ा आधार होता है विश्वास, एक दूसरे पर Trust. हमारे यहां कहा भी गया है-**तन् मित्रम् यत्र विश्वासः॥** यानि Friendship is where trust is unshakable.

पिछले कुछ वर्षों में, भारत और अमेरिका के बीच विश्वास जिस नई ऊँचाई पर पहुंचा है, जितना मजबूत हुआ है, वो ऐतिहासिक है। अमेरिका की अपनी यात्राओं में, मैंने इस विश्वास को दिनों-दिन मजबूत होते देखा है।

मुझे याद है, जब मैं वॉशिंगटन में प्रेसिडेंट ट्रंप से पहली बार मिला था, तो उन्होंने मुझे कहा था – “India has a true friend in the White House”.

प्रेसिडेंट ट्रंप ने भारत के प्रति अपने इस विशेष प्यार को हमेशा प्रदर्शित किया है। जब व्हाइट हाउस में दीवाली मनाई जाती है, तो अमेरिका में रहने वाले 40 लाख भारतीय भी, अमेरिका की समृद्धि और प्रगति के सहायत्री होने पर गर्व महसूस करते हैं।

साथियों

अमेरिका की तरह ही आज भारत में भी परिवर्तन के लिए अभूतपूर्व अधीरता है। आज 130 करोड़ भारतवासी मिलकर न्यू इंडिया का निर्माण कर रहे हैं।

हमारी युवा शक्ति aspirations से भरी हुई है। बड़े लक्ष्य रखना, उन्हें प्राप्त करना, आज न्यू इंडिया की पहचान बन रहा है।

- आज भारत में दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम ही नहीं है, आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ एश्योरेंस स्कीम भी चला रहा है।
- आज भारत में दुनिया का सबसे बड़ा सोलर पार्क ही नहीं बन रहा, आज भारत में दुनिया का सबसे बड़ा सेनीटेशन प्रोग्राम भी चल रहा है।
- आज भारत एक साथ सबसे ज्यादा सैटेलाइट भेजने का वर्ल्ड रिकॉर्ड ही नहीं बना रहा, आज भारत सबसे तेज Financial Inclusion करके भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहा है।

21वीं सदी में, हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर हो या फिर सोशल सेक्टर, हम ग्लोबल बेंचमार्क को लेकर आगे चल रहे हैं।

बीते कुछ समय में भारत ने न सिर्फ 1500 पुराने कानून खत्म किए हैं, बल्कि समाज को सशक्त करने के लिए कई नए कानून भी बनाए हैं।

Transgender Persons के अधिकार हों, तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर मुस्लिम महिलाओं का सम्मान हो, दिव्यांग-जनों को प्राथमिकता देना हो, महिलाओं को प्रेगनेंसी के दौरान 26 हफ्ते की Paid Maternity Leave का प्रावधान हो, ऐसे कई अधिकार, हमने समाज के अलग-अलग वर्गों के लिए सुनिश्चित किए हैं।

साथियों,

मुझे इस बात की खुशी है कि भारत में हो रहे इन परिवर्तनों के बीच, आज अमेरिका, भारत का एक भरोसेमंद पार्टनर बना है।

आज जो देश, भारत का Largest Trading Partner है, वो देश है अमेरिका।

आज भारत की सेनाएं जिस देश के साथ सबसे ज्यादा युद्ध अभ्यास कर रही हैं- वो है अमेरिका।

आज जिस देश के साथ भारत की सबसे व्यापक रीसर्च एंड डवलपमेंट पार्टनरशिप है- वो देश है अमेरिका।

आज चाहे डिफेंस हो, एनर्जी सेक्टर हो, हेल्थ हो, IT हो, हर क्षेत्र में, हमारी Relationship का दायरा निरंतर बढ़ रहा है।

साथियों,

21वीं सदी के इस दशक में, New India, Resurgent America के लिए भी अनेक नए अवसर लेकर आया है।

विकास के हर क्षेत्र में, दोनों ही देशों के पास पाने के लिए बहुत कुछ है।

भारत में मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ना, इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार होना, अमेरिका के लिए नई संभावनाएं लेकर आएगा।

इंडस्ट्री 4.0 के इस दौर में भारत में डिजिटल इकॉनॉमी का विस्तार, अमेरिका के लिए भी निवेश के अनेक मौके बनावे जाएंगे।

Mr President,

बीते दशकों में डिजिटल टेक्नोलॉजी ने भारत और अमेरिका के संबंधों को Shape करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारतीय टैलेंट और अमेरिकी टेक्नोलॉजी ने इस क्षेत्र को नई लीडरशिप दी है।

और, मैं मानता हूँ, 21वीं सदी में भारत और अमेरिका मिलकर, इस डिजिटल युग का, इंडस्ट्री 4.0 का नेतृत्व कर सकते हैं।

साथियों,

21वीं सदी में, नए Alignments, नए Competition, नए Challenges और नई Opportunities, बदलाव की नींव रख रहे हैं।

ऐसे में भारत और अमेरिका के संबंध और सहयोग की, 21वीं सदी के विश्व की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

मेरा स्पष्ट मत है कि भारत और अमेरिका Natural Partners हैं।

हम सिर्फ Indo-Pacific Region में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की Peace, Progress और Security में एक प्रभावी योगदान दे सकते हैं।

आतंकवाद को हराने में अमेरिका के commitment और प्रेसिडेंट ट्रंप की लीडरशीप मानवता की सेवा की है और इसलिए, मैं मानता हूँ कि प्रेसिडेंट ट्रंप जैसे विलक्षण नेता और भारत के अनन्य मित्र का इस दशक की शुरुआत में ही भारत आना, एक बहुत बड़ा अवसर है।

बीते समय में, भारत-अमेरिकी संबंधों को सशक्त करने की जो शुरुआत हमने की है, अब उनकी इस Visit से, उसका अगला Phase शुरू हो रहा है।

हम एक long term vision से inspired हैं, सिर्फ short term considerations से नहीं। हमारे bilateral relations grow करेंगे, हमारी economic partnership का विस्तार होगा, हमारा digital cooperation बढ़ेगा

और मुझे विश्वास है कि नई ऊंचाइयों को पार करते हुए भारत जिन सपनों को

लेकर चला है अमेरिका जिन सपनों को लेकर के चला है हम मिलकर के उन सपनों को पूरा करेंगे आज मेरा सौभाग्य है कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनके पूरे परिवार का मुझे स्वागत सम्मान करने का अवसर मिला है मैं एक बार फिर नमस्ते ट्रंप का इस नाद को गूंजते हुए आप सब से आग्रह करूंगा कि भारत माता की जय भारत माता की जय भारत माता की जय

India US friendship long live, long live!

बहुत-बहुत धन्यवाद

VRRK/SH

(रिलीज़ आईडी: 1604192) आगंतुक पटल : 376

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Bengali , Gujarati , Telugu

प्रधानमंत्री कार्यालय

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा पर प्रधान मंत्री द्वारा प्रेस वक्तव्य

प्रविष्टि तिथि: 25 FEB 2020 1:47PM by PIB Delhi

मेरे मित्र और अमेरिका के राष्ट्रपति Donald Trump,
अमेरिकी delegation के सम्मानित सदस्य गण,
Ladies and gentlemen,
नमस्ते।

राष्ट्रपति ट्रम्प और उनके delegation का भारत में एक बार फिर हार्दिक स्वागत है। मुझे विशेष खुशी है की इस यात्रा पर वो अपने परिवार के साथ आए हैं। पिछले आठ महीनों में राष्ट्रपति ट्रम्प और मेरे बीच ये पाँचवीं मुलाकात है। कल मोटेरा में राष्ट्रपति ट्रम्प का unprecedented और Historical Welcome हमेशा याद रखा जाएगा। कल ये फिर से स्पष्ट हुआ कि अमेरिका और भारत के संबंध सिर्फ दो सरकारों के बीच नहीं हैं, बल्कि People-driven हैं, People-centric हैं। यह संबंध, 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण partnership में है। और इसलिए आज राष्ट्रपति ट्रम्प और मैंने हमारे सम्बन्धों को Comprehensive Global Strategic Partnership के स्तर पर ले जाने का निर्णय लिया है। संबंधों को इस मुकाम तक लाने में राष्ट्रपति ट्रम्प का अमूल्य योगदान रहा है।

Friends,

आज हमारी चर्चा में हमने इस partnership के हर अहम पहलू पर सकारात्मक विचार किया - चाहे वो defence and security हो, Energy strategic partnership हो, technology cooperation हो, global connectivity हो, Trade relations हों या फिर people to people ties. भारत और अमेरिका के बीच बढ़ता रक्षा और सुरक्षा सहयोग हमारी strategic partnership का एक बहुत अहम हिस्सा है। अत्याधुनिक रक्षा उपकरण व platforms पर सहयोग से भारत की defence क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। हमारे defence manufacturers एक दूसरे की supply chains का हिस्सा बन रहे हैं। भारतीय forces आज सबसे अधिक training exercises USA की forces के साथ कर रही हैं। पिछले कुछ सालों में, हमारी सेनाओं के बीच interoperability में unprecedented वृद्धि हुई है।

Friends ,

इसी तरह हम अपने home-lands की सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अपराध से लड़ने के लिए भी सहयोग बढ़ा रहे हैं। आज Home-land Security पर हुए निर्णय से इस सहयोग को और बल मिलेगा। आतंक के समर्थकों को जिम्मेदार ठहराने के लिए आज हमने अपने प्रयासों को और बढ़ाने का निश्चय किया है। President Trump ने drugs and opoid crisis से लड़ाई को प्राथमिकता दी है। आज हमारे बीच Drug trafficking, Narco -terrorism और organized crime जैसी गम्भीर समस्याओं के बारे में एक नए mechanism पर भी सहमति हुई है। Friends , कुछ ही समय पहले स्थापित हमारी Strategic Energy Partnership सुदृढ़ होती जा रही है। और इस क्षेत्र में आपसी निवेश बढ़ा है। तेल और गैस के लिए अमेरिका भारत का एक बहुत महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। पिछले चार वर्षों में हमारा कुल energy व्यापार करीब 20 billion dollar रहा है। Renewables हो या nuclear energy, हमारे co-operation को नई ऊर्जा मिल रही है।

Friends ,

इसी तरह, Industry Four Point Zero और 21st Century की अन्य उभरती technologies उस पर भी India-US partnership, innovation और enterprise के नए मुकाम स्थापित कर रही है। भारतीय professionals के talent ने अमरीकी companies की technology leadership को मजबूत किया है।

Friends,

भारत और अमरीका आर्थिक क्षेत्र में openness और Fair and Balanced trade के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले तीन वर्षों में हमारे द्विपक्षीय व्यापार में double-digit growth हुई है, और वह ज्यादा संतुलित भी हुआ है। अगर energy, civil air-crafts, defence और हायर education लें, तो पिछले चार-पांच सालों में सिर्फ इन चार sectors ने भारत-अमेरिका के आर्थिक संबंधों में लगभग 70 billion dollars का योगदान किया है। इसमें से काफी कुछ राष्ट्रपति ट्रम्प की नीतियों और फैसलों के कारण संभव हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है के आने वाले समय में यह आंकड़ा काफी बढ़ जाएगा। जहाँ तक bilateral trade का सवाल है, हमारे Commerce Ministers के बीच सकारात्मक वार्ताएँ हुई हैं। राष्ट्रपति Trump और मैं आज सहमत हुए हैं कि हमारे Commerce Ministers के बीच जो understanding बनी है, उसे हमारी teams legal रूप दें। हम एक बड़ी trade deal के लिए negotiations शुरू करने पर भी सहमत हुए हैं। हमें आशा है कि आपसी हित में इसके अच्छे परिणाम निकलेंगे। Friends, वैश्विक स्तर पर भारत और अमरीका का सहयोग हमारे समान लोकतांत्रिक मूल्यों और उद्देश्यों पर आधारित है। खासकर Indo-Pacific और global commons में Rule based international order के लिए यह सहयोग विशेष महत्व रखता है। हम दोनों देश विश्व में connectivity infrastructure के विकास में sustainable and transparent financing के महत्व पर सहमत हैं। हमारा यह आपसी तालमेल एक दूसरे के ही नहीं, बल्कि विश्व के हित में है।

Friends

भारत और अमरीका की इस स्पेशल मित्रता की सबसे महत्वपूर्ण नींव हमारे people-to-people relations हैं। चाहे वो professionals हों या students, USA में Indian Diaspora का इस में सबसे बड़ा योगदान रहा है। भारत के ये ambassadors ना सिर्फ अपने Talent और परिश्रम से USA की अर्थव्यवस्था में contribute कर रहे हैं। बल्कि अपने democratic values और समृद्ध culture से american society को भी enrich कर रहे हैं। मैंने राष्ट्रपति Trump से अनुरोध किया है कि हमारे Professionals के social security contribution पर totalisation agreement को दोनों पक्ष चर्चा आगे बढ़ाएं। यह आपसी हित में होगा।

Friends,

इन सभी आयामों में हमारे रिश्तों को और मजबूत बनाने में राष्ट्रपति ट्रम्प की यात्रा ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। एक बार फिर, मैं President Trump को भारत आने के लिए, और भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊँचाई पर पहुंचाने के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

Thank You.

DS/LP

(रिलीज़ आईडी: 1867682) आगतुक पटल : 62

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Bengali , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

प्रधानमंत्री का बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की 100वीं जयंती समारोह के लिए बांग्लादेश को वीडियो के जरिए संदेश

प्रविष्टि तिथि: 17 MAR 2020 8:23PM by PIB Delhi

नाँमोस्कार !!जातीर पिता,बाँगोबाँन्धु शेख मुजीबुर रहमान एर, इक शो बरश तोमो जौनमो ज्योतिर,ई मोहान ओपोलोक्खे,सोमोग्रो बांग्लादेश के,अपनादेर इक शो त्रिश कोटि भारोतिय,भाई बंधु एर पोक्खो थेके,ओनेक - ओनेक ओभिनंदन,ईबोंग शुभोकामोना!!!

साथियों,

शेख हसीना जी ने मुझे इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनाने के लिए व्यक्तिगत तौर पर निमंत्रण दिया था।

लेकिन कोरोना वायरस की वजह से ये संभव नहीं हो पाया।फिर शेख हसीना जी ने ही विकल्प दिया, और इसलिए मैं वीडियो के माध्यम से मुझे आपके बीच आनेका मुझे अवसर मिला हैं।

साथियों,

बंगबंधु शेख मुजीबुर-रहमानपिछली सदी के महान व्यक्तित्वों में से एक थे। उनका पूरा जीवन, हम सभी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है।

बंगबंधु यानि

A leader of courage,

A man of conviction,

A sage of peace,

A champion of justice, equality and dignity,

A hand of defiance against brutality

And,

A shield against coercion!!

उनके व्यक्तित्व की इन खूबियों ने उस दौर में लाखों युवाओं को बांग्लादेश की मुक्ति के लिए, हर चुनौती का मुकाबला करने के लिए एक नई ऊर्जा दी थी।

आज मुझे बहुत खुशी होती है, जब देखता हूं कि बांग्लादेश के लोग, किस तरह दिन-रात अपने प्यारे देश को शेख मुजीबुर-रहमान के सपनों का 'शोनार-बांग्ला' बनाने में जुटे हुए हैं।

साथियों,

बंगबंधु का जीवन, आज के वैश्विक माहौल में, 21वीं सदी की दुनिया के लिए भी, एक बहुत बड़ा संदेश देता है।

याद कीजिये एक दमनकारी, अत्याचारी शासन ने, लोकतांत्रिक मूल्यों को नकारने वाली व्यवस्था ने, किस तरह बांग्ला भूमि के साथ अन्याय किया, उसके लोगों को तबाह किया, ये हम सभी भली-भांति जानते हैं। उसकी पीड़ा उसकी दर्द महसूस करते हैं।

उस दौर में जो तबाही मचाई गई थी, जो Genocide हुआ, उससे बांग्लादेश को बाहर निकालने के लिए, एक Positive और Progressive Society के निर्माण के लिए उन्होंने अपना पल-पल समर्पित कर दिया था।

उनका स्पष्ट मत था कि किसी भी देश की प्रगति का आधार नफरत और Negativity नहीं हो सकती। लेकिन उनके यही विचार, यही प्रयास कुछ लोगों को पसंद नहीं आए और उनको हमसे छीन लिया गया।

ये बांग्लादेश और हम सभी का सौभाग्य ही था कि प्रधानमंत्री शेख हसीना जी और शेख रेहाना जी पर ऊपर वाले का रहम रहा, वरना हिंसा और घृणा के समर्थकों ने कोई कसर छोड़ी नहीं थी।

आतंक और हिंसा को राजनीति और कूटनीति का हथियार बनाना, कैसे पूरे समाज को, पूरे देश को तबाह कर देता है, ये हम भली-भांति देख रहे हैं।

आतंक और हिंसा के वो समर्थक आज कहां हैं, किस हाल में हैं और दूसरी तरफ ये हमारे बांग्लादेश किस ऊँचाई पर पहुंच रहा है, ये भी दुनिया देख रही है।

साथियों,

बंगबंधु की प्रेरणा से, और प्रधानमंत्री शेख हसीना जी के नेतृत्व में बांग्लादेश आज जिस प्रकार Inclusive और Development Oriented Policies के साथ आगे बढ़ रहा है, वो बहुत प्रशंसनीय है।

Economy हो, और Social Indices हों या फिर स्पोर्ट्स, आज बांग्लादेश नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। Skill, Education, Health, Women empowerment, Micro Finance, ऐसे अनेक क्षेत्रों में बांग्लादेश ने अभूतपूर्व प्रगति की है।

मुझे इस बात की भी खुशी है कि बीते 5-6 वर्षों में भारत और बांग्लादेश ने आपसी रिश्तों का भी शोनाली अध्याय गढ़ा है, अपनी पार्टनरशिप को नई दिशा, नए आयाम दिए हैं।

ये हम दोनों देशों में बढ़ता हुआ विश्वास है, जिसके कारण हम दशकों से चले आ रहे Land Boundary, Maritime Boundary से जुड़े Complex मुद्दों को, शांति से पूरी तरह शांति से सुलझाने में सफल रहे हैं।

साथियों,

बांग्लादेश आज साउथ एशिया में भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर भी है और सबसे बड़ा डेवलपमेंट पार्टनर भी है।

भारत में बनी बिजली से बांग्लादेश के लाखों घर और फैक्ट्रियां रोशन हो रही हैं। Friendship Pipeline के माध्यम से एक नया Dimension हमारे रिश्तों में जुड़ा है।

रोड हो, रेल हो, एयर हो, वॉटर-वे हो, या इंटरनेट, ऐसे अनेक सेक्टर्स में हमारा सहयोग हम दोनों देशों के नागरिकों को और भी ज्यादा कनेक्ट कर रहा है।

साथियों,

हमारी विरासत टैगोर की है, काज़ी नज़रुल इस्लाम, उस्ताद अलाउद्दीन खान, लालॉन शाह, जीबानंदा दास और ईश्वर चंद्र विद्यासागर जैसे मनीषियों की है।

इस विरासत को बंगबंधु की प्रेरणा, उनकी Legacy ने और व्यापकता दी है। उनके आदर्श, उनके मूल्यों से भारत भूमि, हमेशा से जुड़ी रही है।

भारत और बांग्लादेश के आत्मीय संबंध, इस साझा विरासत की मज़बूत नींव पर ही गढ़े गए हैं।

हमारी यही विरासत, हमारे आत्मीय संबंध, बंगबंधु का दिखाया मार्ग, इस दशक में भी दोनों देशों की Partnership, Progress और Prosperity का मज़बूत आधार हैं।

अगले वर्ष बांग्लादेश की 'मुक्ति' के 50 वर्ष होंगे और उससे अगले वर्ष यानि 2022 में भारत की आज़ादी के 75 वर्ष होने वाले हैं।

मुझे विश्वास है कि ये दोनों पड़ाव, भारत-बांग्लादेश के विकास को नई ऊँचाई पर पहुंचाने के साथ ही, दोनों देशों की मित्रता को भी नई बुलंदी देंगे।

एक बार फिर पूरे बांग्लादेश को बंगबंधु शताब्दी वर्ष की शुभकामनाओं के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।

धोनीबाद !!

जय बोंग्ला, जय हिंद !!!

VRRK/AK

(रिलीज़ आईडी: 1606842) आगंतुक पटल : 283

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Bengali , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada

प्रधानमंत्री कार्यालय

19 जून को चीन पर सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 19 JUN 2020 10:00PM by PIB Delhi

साथियों, इस विषय पर आप सभी दलों ने जो विचार रखे हैं, वो बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। हम सभी देश की सीमाओं की रक्षा में दिन-रात लगे हमारे वीर जवानों के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। उनकी वीरता, उनके कौशल, उनकी सूझ-बूझ पर देश अटूट विश्वास रखता है। इस सर्वदलीय बैठक के माध्यम से मैं शहीदों के परिवारों को भी ये विश्वास दिलाता हूँ की पूरा देश उनके साथ है, पूरा देश उन्हें नमन करता है।

साथियों, पूर्वी लद्दाख में जो हुआ, इसको लेकर आपने रक्षा मंत्री जी और विदेश मंत्री जी को सुना भी और Presentation को भी देखा। न वहां कोई हमारी सीमा में घुस आया है और न ही कोई घुसा हुआ है, न ही हमारी कोई पोस्ट किसी दूसरे के कब्जे में है। लद्दाख में हमारे 20 जांबाज शहीद हुए, लेकिन जिन्होंने भारत माता की तरफ आँख उठाकर देखा था, उन्हें वो सबक सिखाकर गए। उनका ये शौर्य, ये बलिदान हमेशा हर भारतीय के मन में अमिट रहेगा।

साथियों, निश्चित तौर पर, चीन द्वारा LAC पर जो किया गया है, उससे पूरा देश आहत है, आक्रोशित है। ये भावना हमारी इस चर्चा के दौरान भी आप सबके माध्यम से बार-बार दिखाई दी है। मैं आपको भी आश्वस्त कर रहा हूँ कि हमारी सेना देश की रक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। Deployment हो, Action हो, Counter Action हो, जल-थल-नभ में हमारी सेनाओं को देश की रक्षा के लिए जो करना है, वो कर रही है।

आज हमारे पास ये Capability है कि कोई भी हमारी एक इंच जमीन की तरफ आँख उठाकर भी नहीं देख सकता। आज भारत की सेनाएं, अलग-अलग सेक्टर्स में, एक साथ Move करने में भी सक्षम है। ऐसे में, हमने जहां एक तरफ सेना को अपने स्तर पर उचित कदम उठाने की छूट दी है, वहीं दूसरी तरफ डिप्लोमैटिक माध्यमों से भी चीन को अपनी बात दो टूक स्पष्ट कर दी है। भारत, Peace और Friendship चाहता है, लेकिन अपनी Sovereignty की रक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। और आप सबने भी इसी भावना को प्रकट किया है।

साथियों, बीते वर्षों में देश ने अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए, बॉर्डर एरिया में इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट को प्राथमिकता दी है। हमारी सेनाओं की दूसरी आवश्यकताओं, जैसे Fighter Planes, आधुनिक हेलीकॉप्टर, मिसाइल डिफेंस सिस्टम आदि पर भी हमने बहुत बल दिया है। नए बने हुए इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से खासकर LAC में अब हमारी पेट्रोलिंग की Capacity भी बढ़ गई है।

पेट्रोलिंग बढ़ने की वजह से अब सतर्कता बढ़ी है और LAC पर हो रही गतिविधियों के बारे में भी समय पर पता चल रहा है। जिन क्षेत्रों पर पहले बहुत नजर नहीं रहती थी, अब वहां भी हमारे जवान, अच्छी तरह से monitor कर पा रहे हैं, respond भी कर पा रहे हैं। अब तक जिनको कोई पूछता नहीं था, कोई रोकता-टोकता नहीं था, अब हमारे जवान डगर-डगर पर उन्हें रोकते हैं, उन्हें टोकते हैं।

साथियों, बेहतर हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर से एक मदद ये भी मिली है कि हमारे जवान, जो उस कठिन परिस्थिति में वहां तैनात रहते हैं, उन्हें साजो-सामान पहुंचाने में, आसानी हुई है।

साथियों, राष्ट्रहित, देशवासियों का हित हमेशा हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। चाहे ट्रेड हो, कनेक्टिविटी हो, काउंटर टेरेरिज्म हो, भारत ने कभी किसी बाहरी दबाव को स्वीकार नहीं किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जो भी ज़रूरी कार्य हैं, जो भी ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण है, उसे इसी तरह तेज गति से आगे भी किया जाता रहेगा।

मैं आप सभी को, सभी राजनीतिक दलों को फिर से ये आश्वासन करता हूँ कि हमारी सेनाएं, सीमाओं की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। हमने उन्हें यथोचित कार्रवाई के लिए पूरी छूट दी हुई है।

आप सभी ने इस बैठक के लिए अपना समय दिया, अपने मूल्यवान सुझाव दिए इसके लिए मैं सभी दलों का, आप सभी नेतृत्व गण का हृदय से बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। आपके सुझाव आगे की रणनीति बनाने में बहुत लाभकारी होंगे, ये मुझे पूरा विश्वास है।

मैं फिर एक बार इस एकता का सन्देश देने में आप लोग जो बढ़ चढ़ कर आगे आये हैं, वह सेना का मोरल तो बढ़ाएगा, देश के लोगों की हिम्मत बढ़ाएगा लेकिन दुनिया को भी जो सन्देश जाना चाहिए वो पहुंचेगा और इसलिए आज की मीटिंग में आपकी सकारात्मक भूमिका का बहुत मूल्य है, उसका बहुत ऐतिहासिक महत्त्व है और इसलिए भी आप सभी अभिनन्दन के अधिकारी हैं, आपका एक बार फिर बहुत-बहुत आभार।

धन्यवाद !!!

VRRK/KP

(रिलीज़ आईडी: 1633289) आगंतुक पटल : 155

प्रधानमंत्री कार्यालय

मॉरीशस में सुप्रीम कोर्ट के नए भवन के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूलपाठ

प्रविष्टि तिथि: 30 JUL 2020 1:16PM by PIB Delhi

मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री माननीय प्रविंद कुमार जुगनाथ जी, वरिष्ठ मंत्री और मॉरीशस के गणमान्य लोगों, विशिष्ट अतिथियों, नमस्कार, बोनजोर।

आप सभी को मेरी हार्दिक बधाई। सबसे पहले मैं मॉरीशस की सरकार और वहां के लोगों को कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रभावी प्रबंधन के लिए बधाई देता हूं। मुझे खुशी है कि भारत दवाइयों की समय पर आपूर्ति और अपने अनुभवों को साझा करते हुए आपके इस प्रयास में मदद करने में सक्षम है।

मित्रों, आज हम भारत और मॉरीशस के बीच विशेष मित्रता में एक और ऐतिहासिक घटना का उत्सव मना रहे हैं। राजधानी पोर्ट लुइस में सुप्रीम कोर्ट के नए भवन का निर्माण हमारे सहयोग और हमारे साझा मूल्यों का प्रतीक है। भारत और मॉरीशस दोनों हमारी लोकतांत्रिक प्रणालियों के महत्वपूर्ण स्तंभों के रूप में अपनी स्वतंत्र न्यायपालिकाओं का सम्मान करते हैं। यह प्रभावशाली नई इमारत अपने आधुनिक डिजाइन और निर्माण के साथ इस सम्मान का प्रतीक है। मुझे खुशी है कि यह परियोजना निर्धारित समय पर और प्रारंभिक अनुमानित लागत के अंदर पूरी हुई है।

प्रधानमंत्री जुगनाथ जी, अभी कुछ महीने पहले ही, हमने संयुक्त रूप से युगांतकारी मेट्रो परियोजना और एक अत्याधुनिक अस्पताल का उद्घाटन किया था। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि ये दोनों परियोजनाएं मॉरीशस के लोगों के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

मित्रों, मॉरीशस में ही मैंने पहली बार भारत के सागर (एसएजीएआर) दृष्टिकोण- इस क्षेत्र में सबकी सुरक्षा और विकास- के बारे में बात की थी। ऐसा इसलिए है क्योंकि मॉरीशस हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के दृष्टिकोण के केंद्र में है और आज, मैं इसमें यह जोड़ना चाहता हूं कि मॉरीशस भारत की विकास साझेदारी के दृष्टिकोण के केंद्र में भी है।

मित्रों, महात्मा गांधी ने ठीक ही कहा था और, मैं उसे यहां उद्धृत करता हूं- **मैं पूरी दुनिया के संदर्भ में सोचना चाहता हूं। मेरी देशभक्ति में आम तौर पर मानव जाति का भला शामिल है। इसलिए, भारत की मेरी सेवा में मानवता की सेवा शामिल है।** यह भारत का मार्गदर्शक दर्शन है। भारत विकास करना चाहता है और भारत दूसरों के विकास की जरूरतों में मदद करना चाहता है।

मित्रों, भारत का विकास का दृष्टिकोण मुख्य रूप से मानव-केंद्रित है। हम मानवता के कल्याण के लिए काम करना चाहते हैं। इतिहास ने हमें सिखाया है कि विकास साझेदारी के नाम पर राष्ट्रों को निर्भरता भागीदारी में धकेला गया। इसने औपनिवेशिक और शाही शासन को जन्म दिया। इसने वैश्विक शक्ति केंद्रों को उभरने में मदद की और, इसका नुकसान मानवता को उठाना पड़ा।

मित्रों, भारत विकास की जो साझेदारी बढ़ा रहा है उसमें सम्मान, विविधता, भविष्य की चिंता और सतत विकास शामिल है।

मित्रों, विकास सहयोग में भारत के लिए सबसे बुनियादी सिद्धांत अपने सहयोगियों का सम्मान करना है। विकास से संबंधित सबकों को साझा करना हमारी एकमात्र प्रेरणा है। यही कारण है कि हमारा विकास सहयोग बिना किसी शर्त के होता है। यह राजनीतिक या व्यावसायिक सोचों से प्रभावित नहीं होता है।

मित्रों, भारत की विकास साझेदारियां विविधतापूर्ण हैं। भारत वाणिज्य से संस्कृति, ऊर्जा से इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य से आवास, सूचना प्रौद्योगिकी से बुनियादी ढांचा, खेल से विज्ञान तक जैसे क्षेत्रों में दुनिया भर के देशों के साथ काम कर रहा है। अगर भारत को अफगानिस्तान में संसद भवन के निर्माण में मदद करने के लिए सम्मानित किया जाता है, तो नाइजर में महात्मा गांधी कन्वेंशन सेंटर बनाने के साथ जुड़ने पर भी इसे गर्व है। हमें एक आपातकालीन और ट्रॉमा अस्पताल के निर्माण के माध्यम से नेपाल में वहां की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करने में खुशी हुई है। और, हम श्रीलंका के सभी नौ प्रांतों में आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाओं को स्थापित करने के उसके प्रयासों में मदद करने के लिए भी समान रूप से गौरवान्वित हैं।

हमें खुशी है कि नेपाल के साथ हम जो तेल पाइपलाइन परियोजना पर काम कर रहे हैं, उससे वहां पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी और इसी तरह, हम मालदीव के चौत्तीस द्वीपों में पेयजल और स्वच्छता की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में योगदान करने के लिए खुश हैं। हमने स्टेडियम और अन्य सुविधाओं के निर्माण में मदद करके अफगानिस्तान और गुयाना जैसे देशों में क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने की कोशिश की है।

हम युवा अफगान क्रिकेट टीम को भारत में प्रशिक्षण देने को लेकर उत्साहित हैं। हम अब मालदीव के क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिभा को विकसित करने के लिए इसी तरह से मदद कर रहे हैं। हम इसे अत्यधिक गर्व का विषय मानते हैं कि भारत श्रीलंका में एक प्रमुख आवासीय परियोजना में सबसे आगे है। हमारी विकास साझेदारियों में हमारे सहयोगी राष्ट्रों की विकास प्राथमिकताओं की झलक मिलती है।

मित्रों, भारत आपके आज को संभालने में मदद करने में न केवल गर्व महसूस कर रहा है बल्कि हम आपके युवाओं के लिए बेहतर भविष्य बनाने में मदद करना अपना विशेषाधिकार मानते हैं। यही कारण है कि प्रशिक्षण और कौशल विकास हमारे विकास सहयोग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे हमारे सहयोगी देशों के युवाओं को आत्म-निर्भर बनने और उन्हें अपने भविष्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने को लेकर और आश्वस्त करने में मदद मिलेगी।

मित्रों, भविष्य सतत विकास के बारे में है। मानवीय आवश्यकताएं और आकांक्षाएं हमारे प्राकृतिक परिवेश के प्रतिकूल नहीं हो सकती हैं। यही कारण है कि हम मानव सशक्तिकरण और पर्यावरण की देखभाल दोनों में विश्वास करते हैं। इस दर्शन के आधार पर, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसे नए संस्थानों को विकसित करने का प्रयास किया है। सूर्य की किरणों को मानवीय प्रगति की यात्रा को उज्ज्वल करने दें। हम आपदा अनुकूल बुनियादी ढांचे के लिए एक मजबूत गठबंधन पर भी काम कर रहे हैं। दोनों पहले द्वीप देशों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। जिस तरह से वैश्विक समुदाय ने इन प्रयासों का समर्थन किया है, वह प्रशंसनीय है।

मित्रों, जिन मूल्यों के बारे में मैंने अभी बात की वो सब मॉरीशस के साथ हमारी विशेष साझेदारी में निहित है। मॉरीशस के साथ हम न केवल हिंद महासागर से जुड़े हुए हैं बल्कि हमारे बीच रिश्तेदारी, संस्कृति और भाषा की एक साझी विरासत भी है। हमारी दोस्ती अतीत से ताकत लेती है और भविष्य की ओर देखती है। भारत मॉरीशस के लोगों की उपलब्धियों पर गर्व करता है। पवित्र आप्रवासी घाट

लेकर इस आधुनिक भवन के निर्माण तक मॉरिशस ने अपनी कड़ी मेहनत और नवाचार के माध्यम से अपनी सफलता का इतिहास रचा है। मॉरिशस की भावना प्रेरणादायक है। हमारी साझेदारी आने वाले वर्षों में और भी ऊंची उड़ान भरेगी।

विव लामिते एंन लांद ए मोरीस

भारत और मारीशस मैत्री अमर रहे।

आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

एसजी/एएम/एके/डीसी

(रिलीज़ आईडी: 1642380) आगंतुक पटल : 357

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Punjabi , English , Urdu , Marathi , Bengali , Manipuri , Assamese , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

प्रधानमंत्री का यूएस-आईएसपीएफ के शिखर सम्मेलन में विशेष संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 03 SEP 2020 9:29PM by PIB Delhi

भारत और अमेरिका में विशिष्ट अतिथिगण,

नमस्ते,

‘यूएस-इंडिया स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप फोरम (आईएसपीएफ)’ द्वारा अमेरिका भारत शिखर सम्मेलन 2020 के लिए विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को एक मंच पर लाना निश्चित तौर पर अद्भुत है। भारत एवं अमेरिका को एक-दूसरे के और करीब लाने में ‘यूएस-आईएसपीएफ’ द्वारा किए गए अथक प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं।

मैं पिछले कई वर्षों से जॉन चैंबर्स को भली-भांति जानता हूं। भारत से उनका अत्यंत मजबूत जुड़ाव रहा है। कुछ वर्ष पहले उन्हें ‘पद्मश्री’ से नवाजा गया था।

मित्रों,

इस वर्ष की थीम निश्चित तौर पर अत्यंत प्रासंगिक है - नई चुनौतियों का सामना करना। जब वर्ष 2020 की शुरुआत हुई थी, तब क्या किसी ने कल्पना भी की थी कि आखिरकार यह कैसा साल साबित होगा? एक वैश्विक महामारी ने हर किसी को बुरी तरह प्रभावित किया है। यह हमारी सुदृढ़ता, हमारी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों, हमारी आर्थिक प्रणालियों सभी की कड़ी परीक्षा ले रही हैं।

वर्तमान परिस्थिति में नए नजरिये की सख्त जरूरत है। एक ऐसा नजरिया जिसमें विकास के प्रति दृष्टिकोण मानव केंद्रित हो, जिसमें सभी के बीच सहयोग की प्रबल भावना हो।

मित्रों,

भावी योजना बनाते समय हमें अपनी क्षमताओं को बढ़ाने, गरीबों को सुरक्षित करने और भविष्य में हमारे नागरिकों की बीमारी से रक्षा सुनिश्चित करने पर फोकस करना चाहिए। भारत इसी मार्ग पर चल रहा है। लॉकडाउन की कारगर व्यवस्था को सबसे पहले अपनाने वाले देशों में भारत भी शामिल है। भारत भी उन देशों में से एक है जिन्होंने सबसे पहले सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय के रूप में मास्क और फेस कवरिंग का उपयोग करने की वकालत की थी। यही नहीं, भारत जैसे कुछ देशों ने ही सबसे पहले ‘सामाजिक दूरी बनाए रखने’ के बारे में जन जागरूकता अभियान चलाया है। भारत में रिकॉर्ड समय में चिकित्सा संबंधी बुनियादी अवसंरचना को काफी तेजी से बढ़ा दिया गया है – चाहे वे कोविड अस्पताल हों, आईसीयू की व्यापक क्षमता हो, इत्यादि। जनवरी में सिर्फ एक टेस्टिंग लैब थी, जबकि अब हमारे पास देश भर में लगभग सोलह सौ लैब हैं।

इन सब ठोस प्रयासों का ही यह उल्लेखनीय परिणाम है कि 1.3 अरब लोगों और सीमित संसाधनों वाले भारत सहित सिर्फ कुछ देशों में ही प्रति मिलियन मृत्यु दर पूरी दुनिया में सबसे कम है। देश में मरीजों के स्वस्थ होने यानी रिकवरी दर भी निरंतर बढ़ रही है। मुझे इस बात की बड़ी खुशी है कि हमारा

कारोबारी समुदाय, विशेषकर छोटे कारोबारी इस दिशा में अत्यंत सक्रिय रहे हैं। लगभग नगण्य से शुरुआत करने वाले हमारे कारोबारियों ने हमें दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा पीपीई किट निर्माता बना दिया है।

यह दरअसल अत्यंत मजबूती से उभरने के लिए 'चुनौती को भी चुनौती देने' की भारत की अंतर्निहित भावना के ठीक अनुरूप है। पिछले कुछ महीनों में राष्ट्र ने कोविड के साथ-साथ बाढ़, दो बार चक्रवाती तूफान, टिड्डियों के हमले जैसे कई अन्य संकटों का भी सामना किया है। हालांकि, इन संकटों ने लोगों के संकल्प को और मजबूत कर दिया है।

मित्रों,

कोविड-19 और लॉकडाउन की पूरी अवधि के दौरान भारत सरकार ने यह बात ठान रखी थी- हर हालत में गरीबों की रक्षा करनी होगी। भारत के गरीबों के लिए चलाई जा रही 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' विश्व भर में कहीं भी शुरू की गई सबसे बड़ी सहायता प्रणालियों में से एक है। 800 मिलियन लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। यह योजना 8 माह से निरंतर चलाई जा रही है। 800 मिलियन लोगों का मतलब है: संयुक्त राज्य अमेरिका की कुल आबादी से दोगुनी से भी अधिक। लगभग 80 मिलियन परिवारों को मुफ्त रसोई गैस मुहैया कराई जा रही है। लगभग 345 मिलियन किसानों और जरूरतमंद लोगों को नकद सहायता दी गई है। इस योजना ने लगभग 200 मिलियन कार्य दिवस सृजित कर प्रवासी श्रमिकों को अत्यंत जरूरी रोजगार प्रदान किए हैं।

मित्रों,

महामारी ने कई क्षेत्रों को प्रभावित किया है। लेकिन इससे 1.3 अरब भारतीयों की आकांक्षाएं और महत्वाकांक्षाएं बेअसर रही हैं। हाल के महीनों में, कई दूरगामी सुधार हुए हैं। इनमें कारोबार को आसान बनाना और लालफीताशाही में कमी लाना शामिल है। दुनिया के सबसे बड़े आवासीय कार्यक्रम पर सक्रियता से काम हो रहा है। अक्षय ऊर्जा के विस्तार पर काम हो रहा है। रेल, सड़क और वायु संपर्क-मार्ग बढ़ाया जा रहा है। हमारा देश एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की स्थापना के लिए एक विशेष डिजिटल मॉडल तैयार कर रहा है। हम करोड़ों लोगों को बैंकिंग, कर्ज, डिजिटल भुगतान और बीमा उपलब्ध कराने के लिए सर्वश्रेष्ठ फिन-टेक (वित्तीय तकनीक) का उपयोग कर रहे हैं। ये सभी पहल विश्व स्तरीय तकनीक और सर्वश्रेष्ठ वैश्विक प्रक्रियाओं का उपयोग करके की जा रही हैं।

मित्रों,

इस महामारी ने दुनिया को यह भी दिखाया है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकास से जुड़े फैसले सिर्फ लागत पर आधारित नहीं होने चाहिए। उन्हें भरोसे के आधार पर भी आगे बढ़ाना चाहिए। भौगोलिक क्षेत्र की सामर्थ्य के साथ, कंपनियां अब विश्वसनीयता और नीतिगत स्थायित्व पर भी विचार कर रही हैं। भारत ऐसी जगह है, जहां ये सभी विशेषताएं हैं।

परिणामस्वरूप, भारत विदेशी निवेश के लिए अग्रणी स्थलों में से एक के रूप में उभर रहा है। चाहे यह अमेरिका हो या खाड़ी देश, चाहे यूरोप हो या आस्ट्रेलिया- दुनिया हम पर विश्वास करती है। इस साल हमें 20 अरब डॉलर का विदेशी निवेश प्रवाह हासिल हुआ है। गूगल, अमेजन और मुबाडाला इन्वेस्टमेंट्स ने भारत के लिए दीर्घकालिक योजनाओं का ऐलान किया है।

मित्रों,

भारत एक पारदर्शी और पूर्व अनुमानित कर व्यवस्था की पेशकश करता है। हमारी व्यवस्था ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहित करती है और समर्थन देती है। हमारा जीएसटी एक एकीकृत, पूर्ण रूप से आईटी समर्थ अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था है। दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता से पूरी वित्तीय व्यवस्था के लिए जोखिम कम हुआ है। हमारे व्यापक श्रम सुधारों से नियोक्ताओं के लिए अनुपालन का बोझ कम होगा। इससे कामगारों को सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी।

मित्रों,

विकास को गति देने में निवेश के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता। हम मांग और आपूर्ति दोनों पक्ष पर नजर बनाए हुए हैं। भारत को दुनिया में सबसे कम कर वाला देश बनाने और नई विनिर्माण इकाइयों को प्रोत्साहन देने पर काम हो रहा है। नागरिकों की सहायता में अनिवार्य ई-प्लेटफॉर्म आधारित 'फेसलेस एसेसमेंट' एक दूरगामी कदम साबित होगा। करदाता चार्टर भी इसी दिशा में उठाया गया एक कदम है। बॉन्ड बाजार में जारी नियामकीय सुधारों से निवेशकों के लिए पहुंच में सुधार सुनिश्चित होंगे। बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश के लिए 'सॉवरेन वेल्थ फंड्स' और 'पेंशन फंड्स' को कर में छूट दी गई है। 2019 में भारत में एफडीआई में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसलिए भी अहम है, क्योंकि वैश्विक एफडीआई प्रवाह में 1 प्रतिशत की गिरावट रही है। इससे हमारी एफडीआई व्यवस्था की सफलता का पता चलता है। उक्त सभी कदमों से एक उज्ज्वल और ज्यादा समृद्ध भविष्य सुनिश्चित होगा। ये मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी योगदान करेंगे।

मित्रों,

1.3 अरब भारतीयों को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के एक मिशन पर लगा दिया गया है। 'आत्मनिर्भर भारत' स्थानीय (लोकल) को विश्व (ग्लोबल) के साथ मिला देता है। इससे एक ग्लोबल फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में भारत की ताकत सुनिश्चित होती है। वक्त के साथ भारत ने दिखाया है कि वैश्विक हित ही हमारा लक्ष्य है। हमारी व्यापक स्थानीय आवश्यकताओं के बावजूद, हमने अपने वैश्विक दायित्व को निभाने में संकोच नहीं किया है। हम दुनिया में जेनेरिक दवाओं के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को निभाते रहे हैं। हमने दुनिया में लगातार इनकी आपूर्ति सुनिश्चित की है। हम कोविड-19 के लिए वैक्सीन पर शोध के मोर्चे पर भी अग्रणी रहे हैं। एक आत्मनिर्भर और शांतिपूर्ण भारत एक बेहतर विश्व सुनिश्चित करता है।

'आत्मनिर्भर भारत' का मतलब भारत को महज निष्क्रिय बाजार से ग्लोबल वैल्यू चेन के बीचोंबीच एक सक्रिय विनिर्माण हब में बदलना है।

मित्रों,

आगे का रास्ता अवसरों से भरा हुआ है। ये अवसर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में मौजूद हैं। इसमें मुख्य आर्थिक क्षेत्रों के साथ ही सामाजिक क्षेत्र भी आते हैं। हाल में कोयला, खनन, रेलवे, रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों को खोल दिया गया है।

मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइस, फार्मा क्षेत्रों के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की गई हैं, इनके प्रति खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अन्य चैम्पियन क्षेत्रों के लिए भी ऐसी ही योजनाएं बनाई जा रही हैं। कृषि विपणन में सुधार किए गए हैं और 14 अरब डॉलर की कृषि वित्तपोषण सुविधाओं से बड़ी संख्या में अवसर सामने आए हैं।

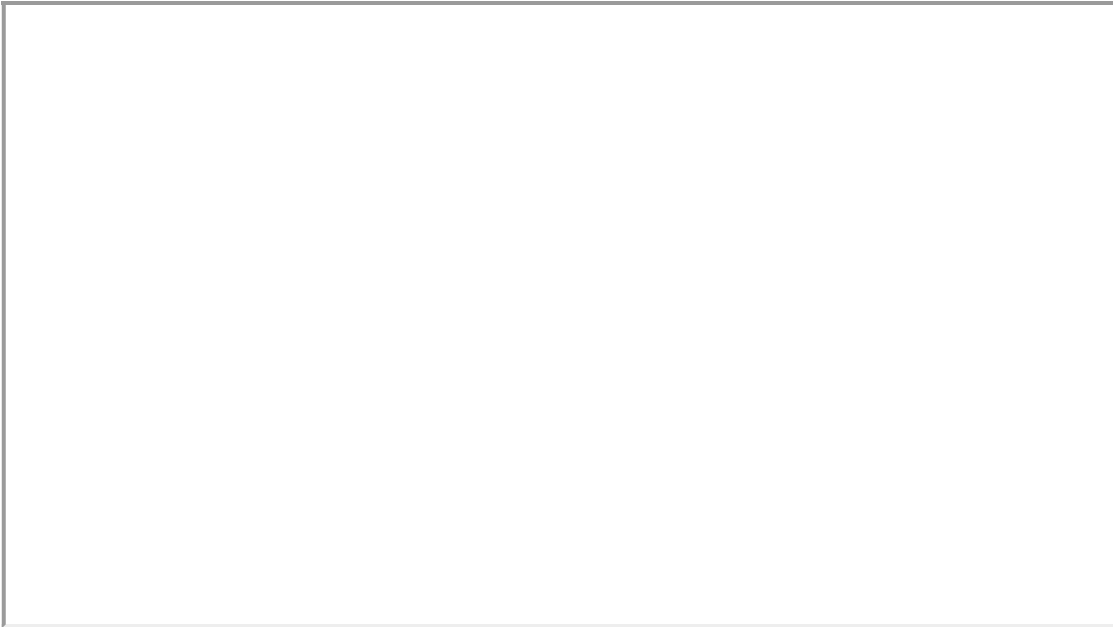
मित्रों,

भारत में मौजूद चुनौतियों के लिए आपके पास एक ऐसी सरकार है, जो नतीजे देने में भरोसा करती है। इस सरकार के लिए ईज ऑफ लिविंग (सुगम जीवनशैली) उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितना ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (कारोबारी सुगमता)। आप एक युवा देश की ओर देख रहे हैं, जिसकी 65 प्रतिशत जनसंख्या की उम्र 35 वर्ष से कम है। आप एक आकांक्षी देश की ओर देख रहे हैं, जिसने खुद को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का फैसला किया है। यह वह समय है, जब हमने स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में प्रवेश किया है। आप ऐसे देश की ओर देख रहे हैं, जहां राजनीतिक स्थायित्व और नीतिगत निरंतरता है। आप ऐसे देश की ओर देख रहे हैं, जो लोकतंत्र और विविधता के लिए प्रतिबद्ध है।

आइए, हमारे साथ इस यात्रा का हिस्सा बनिए।

आपका धन्यवाद।

बहुत-बहुत धन्यवाद।



वीआरआरके/एमजी/एएम/आरआरएस/एमपी/ एसके

(रिलीज़ आईडी: 1651147) आगंतुक पटल : 350

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Tamil , Marathi , English , Urdu , Bengali , Manipuri , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

इटली के प्रधानमंत्री के साथ आभासी द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 06 NOV 2020 5:32PM by PIB Delhi

**Excellency,
नमस्कार!**

आपके शुरुआती remarks के लिए आपका धन्यवाद।

COVID-19 के कारण जैसा आपने बताया मुझे मई में अपनी इटली यात्रा स्थगित करनी पड़ी थी। अच्छी बात यह है कि आज हम virtual माध्यम से मिल पा रहे हैं। सबसे पहले मैं इटली में Coronavirus के कारण हुई क्षति के लिए मेरी तरफ से और भारत के सभी नागरिकों की तरफ संवेदना प्रकट करता हूँ। जब विश्व के अन्य देश कोरोना वायरस को जान ही रहे थे, समझने की कोशिश कर रहे थे, तब आप इस विपदा से जूझ रहे थे।

आपने पूरी सफलता के साथ एक अत्यंत कठिन स्थिति पर शीघ्रता से काबू पाया और पूरे देश को संगठित किया। महामारी के उन पहले महीनों में इटली की सफलता ने हम सभी को प्रेरित किया। आपके अनुभवों ने हम सबका मार्गदर्शन किया।

Excellency,

आप की तरह मैं भी भारत और इटली के संबंधों को और व्यापक और गहरा बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। 2018 में Tech Summit के लिए आपकी भारत यात्रा और हमारी मुलाकात अनेक पहलुओं को स्पर्श करने वाली रही। भारत के लोगो के मन में भी इटली के प्रति एक नई जिज्ञासा पैदा करने वाली रही। यह खुशी की बात है कि 2018 में हमारी बातचीत के बाद आपसी आदान-प्रदान में काफी गति आई है।

मुझे यह जानकर खुशी है कि इटली की संसद ने पिछले साल India-Italy Friendship Group स्थापित किया है। मैं आशा करता हूँ कि COVID की स्थिति सुधरने के बाद हमें Italian Parliament Members का भारत में स्वागत करने का मौका मिलेगा।

Excellency,

यह साफ़ है कि COVID-19 महामारी Second World War की तरह इतिहास में एक watershed रहेगी। हम सभी को इस नई दुनिया के लिए, Post Corona World के लिए अपने आप को adapt करना होगा, इस से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों और अवसरों के लिए हम सभी को एक नए सिरे से तैयार रहना होगा।

मुझे विश्वास है कि आज की हमारी बातचीत से हमारे संबंध और मजबूत होंगे, आपसी समझ बढ़ेगी और सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिलेगी।

DS/SH/BM

(रिलीज़ आईडी: 1670681) आगंतुक पटल : 230

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

प्रधानमंत्री कार्यालय

भारत-लक्समबर्ग आभासी शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की प्रारंभिक टिप्पणी

प्रविष्टि तिथि: 19 NOV 2020 6:01PM by PIB Delhi

Excellency, नमस्कार!

सबसे पहले मैं COVID-19 महामारी से लक्समबर्ग में हुई जानहानि के लिए मेरी तरफ से 130 करोड़ भारतवासियों की तरफ से संवेदना प्रकट करता हूँ। और इस कठिन समय में आपके कुशल नेतृत्व का अभिनन्दन भी करता हूँ।

Excellency,

आज की हमारी Virtual Summit मेरी दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। आप और मैं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिलते रहे हैं, लेकिन पिछले दो दशकों में भारत और लक्समबर्ग के बीच यह पहली औपचारिक Summit है।

आज जब विश्व COVID-19 pandemic की आर्थिक और स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रहा है, भारत-लक्समबर्ग partnership दोनों देशों के साथ-साथ दोनों क्षेत्रों की recovery के लिए उपयोगी हो सकती है। Democracy, rule of law और freedom जैसे साझा आदर्श हमारे संबंधों और आपसी सहयोग को मजबूती देते हैं। भारत और लक्समबर्ग के बीच आर्थिक आदान-प्रदान बढ़ाने का बहुत potential है।

स्टील, financial technology, digital domain जैसे क्षेत्रों में हमारे बीच अभी भी अच्छा सहयोग है - किंतु इसे और आगे ले जाने की अपार संभावनाएं हैं। मुझे प्रसन्नता है कि कुछ दिन पहले हमारी space agency ने लक्समबर्ग के चार satellites लॉन्च किए। Space के क्षेत्र में भी हम पारस्परिक आदान प्रदान बढ़ा सकते हैं।

International Solar Alliance - ISA में लक्समबर्ग के शामिल होने की घोषणा का हम स्वागत करते हैं। और आपको Coalition for Disaster Resilient Infrastructure join करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

इस वर्ष अप्रैल में His Royal Highness the Grand Duke की भारत यात्रा COVID-19 के कारण स्थगित करनी पड़ी। हम शीघ्र उनका भारत में स्वागत करने की कामना करते हैं। मैं चाहूँगा कि आप भी जल्द ही भारत यात्रा पर आएं।

Excellency,

अब मैं आपके शुरुआती विचार आमंत्रित करना चाहूँगा।

DS/SH

(रिलीज़ आईडी: 1674065) आगंतुक पटल : 254

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Manipuri , Bengali , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

भूटान में RuPayकार्ड चरण II के शुभारंभ के लिए वर्चुअल समारोह में प्रधान मंत्री का वक्तव्य

प्रविष्टि तिथि: 20 NOV 2020 3:24PM by PIB Delhi

Your Excellency ल्योनछेन डॉ. लोटे शेरिंग,
भूटान और भारत से जुड़े सभी विशिष्ट अतिथिगण,

नमस्कार!

सभी भारतीयों की तरह, मेरे मन में भी भूटान के लिए विशेष प्यार और मित्रता है, और इसलिए जब भी आप से मिलता हूँ, एक खास अपनेपन की अनुभूति होती है!

भारत और भूटान के विशिष्ट संबंध, हमारी विशेष मित्रता, न सिर्फ दोनों राष्ट्रों के लिए अमूल्य हैं, बल्कि विश्व के लिए एक बेजोड़ उदारहण भी है।

पिछले वर्ष मेरी भूटान यात्रा अनेक स्मृतियों से भरी पड़ी है। एक प्रकार से एक एक मिनट कोई न कोई नयी घटना नया उमंग नया उत्साह वो यात्रा अपने आप में बहुत ही यादगार थी। हमने अपने सहयोग में डिजिटल, अंतरिक्ष और emerging technologies जैसे नए क्षेत्रों को शामिल करने के लिए महत्वपूर्ण पहल ली थी।

21वीं सदी में दोनों देशों के बीच, और विशेषकर हमारी युवा पीढ़ियों के लिए, ये कनेक्टिविटी के नए सूत्र होंगे। मेरी भूटान यात्रा के दौरान हमने दोनों देशों के बीच RuPay Card परियोजना के पहले चरण की शुरुआत करी थी।

इससे भारतीय नागरिकों को भारतीय बैंकों द्वारा जारी किए गए cards से भूटान में भुगतान करने की सुविधा मिली थी। मुझे यह जानकर खुशी है कि भूटान में अब तक 11,000 सफल RuPay ट्रांजेक्शन हो चुके हैं। अगर कोविड-19 महामारी न होती तो यह आंकड़ा अवश्य ही इससे भी बहुत अधिक होता।

आज हम इस महत्वाकांक्षी परियोजना का दूसरा चरण शुरू कर रहे हैं। और इसके साथ हम RuPay network में भूटान का एक full partner के तौर पर स्वागत करते हैं। इस उपलब्धि के लिए जिन भूटानी और भारतीय अधिकारियों ने परिश्रम किया है, मैं उन सभी का अभिनन्दन करता हूँ।

आज के बाद भूटान नेशनल बैंक द्वारा जारी किए गए RuPay cards के कार्डधारक भारत में 1 लाख से अधिक एटीएम और 20 लाख से अधिक Points of Sale टर्मिनल की सुविधा उपयोग कर पाएंगे। मुझे विश्वास है कि इससे भूटान के यात्रियों को भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य, तीर्थ यात्रा या फिर पर्यटन में बहुत सहूलियत रहेगी।

इससे भूटान में डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। पिछले कुछ वर्षों में भारत में डिजिटल ट्रांजेक्शन में बढ़ोतरी से करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव आया है।

Excellencies, Friends,

Space sector हमारे बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण एक दूसरा क्षेत्र है। भारत ने स्पेस टेक्नोलॉजी का उपयोग सदैव विकास के उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया है। भारत और भूटान इस उद्देश्य को साझा करते हैं।

पिछले वर्ष मैंने भूटान में साउथ एशिया सैटेलाइट के उपयोग के लिए ग्राउंड अर्थ स्टेशन का उद्घाटन किया था। मुझे खुशी है कि इस स्टेशन की मदद से भूटान broadcasting और disaster management के लिए साउथ एशिया satellite का और प्रभावी उपयोग कर पा रहा है।

कल हमने peaceful uses of outer space में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक फ्रेमवर्क दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इससे दोनों देशों की विभिन्न संस्थाओं के बीच सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत ने हाल ही में अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को private enterprise के लिए खोला है, बहुत बड़ा रिफार्म किया है। इससे capacity, innovation और skills को बढ़ावा मिलेगा।

मुझे इस बात की विशेष खुशी है कि अगले साल इसरो द्वारा भूटान की सैटेलाइट को अंतरिक्ष भेजने के लिए काम तेजी से चल रहा है।

इसके लिए भूटान के चार होनहार युवा space engineers दिसंबर में इसरो जाएंगे। मैं चारों नौजवानों को अनेक अनेक शुभकामनाएं भी देता हूँ। मैं जानता हूँ कि His Majesty भूटान नरेश अपने देश के विकास में space technology का उपयोग बढ़ाना मन से और काफी इच्छा भी रखते हैं और उसको प्रोत्साहन भी देते हैं और उनका अपना एक vision है।

उनके इस vision को साकार करने के लिए भारत अपना अनुभव और अपनी सुविधाएँ साझा करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। इसी तरह भूटान में एक ICT-enabled knowledge-based society इसका निर्माण करने के उद्देश्य का भी हम समर्थन करते हैं। मैं भूटान के लिए थर्ड इंटरनेशनल इंटरनेट गेटवे उपलब्ध कराने हेतु बीएसएनएल के साथ agreement का हृदय से स्वागत करता हूँ।

Excellencies, Friends,

वैसे तो अच्छा होता अगर हम इस खुशी के अवसर पर व्यक्तिगत तौर मिल कर के साथ में मिल कर के एक समारोह के समस्वरूप में इस अवसर को मना पाते। लेकिन कोरोना के कारण वो संभव नहीं हो पा रहा है।

लेकिन दूसरी तरफ देखें तो एक तरह से यह उचित भी है कि technology के क्षेत्र में इन initiatives का उल्लास भी हम technology की ही मदद से मना रहे हैं।

भूटान की जनता और सरकार ने COVID के संकट से निपटने में जो धैर्य और अनुशासन दिखाया है, मैं उसका अभिनन्दन करता हूँ। और आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की मेरी तरफ से, एक सौ तीस करोड़ हिंदुस्तानवासियों की तरफ से, मैं आप सब के लिए उत्तम स्वास्थ्य और सफलता की कामना करता हूँ।

मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि इस कठिन समय में हम भूटान के साथ खड़े हैं, और आपकी आवश्यकताएं हमारे लिए सदैव उच्चतम प्राथमिकता रहेंगी।

आप सब का फिर से एक बार बहुत बहुत धन्यवाद! Royal Family के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए

ताशी देलका

DS/AKP

(रिलीज़ आईडी: 1674368) आगंतुक पटल : 209

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

प्रधानमंत्री कार्यालय

भारत-उज्बेकिस्तान आभासी शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री की प्रारंभिक टिप्पणी

प्रविष्टि तिथि: 11 DEC 2020 12:01PM by PIB Delhi

Excellency, नमस्कार।

सबसे पहले तो मैं 14 दिसम्बर को आपके कार्यकाल के 5 वे वर्ष में प्रवेश के लिए बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूँ।

मैं इस साल उज्बेकिस्तान की यात्रा के लिए उत्सुक था।

कोविड-19 महामारी की वजह से मेरी यात्रा तो नहीं हो पाई, लेकिन मुझे खुशी है कि "Work From Anywhere" के इस काल में हम आज वर्चुअल माध्यम से मिल रहे हैं।

Excellency,

भारत और उज्बेकिस्तान दो समृद्ध सभ्यताएं हैं। हमारे प्राचीन समय से ही निरंतर आपसी संपर्क रहे हैं।

हमारे क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों के बारे में हमारी समझ और approach में बहुत समानता है। और इसलिए हमारे संबंध हमेशा से बहुत मजबूत रहे हैं।

2018 और 2019 में आपकी भारत यात्राओं के दौरान हमें कई मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिला, जिससे हमारे संबंधों में एक नई गति देखने को मिली।

Excellency,

उग्रवाद, कट्टरवाद तथा अलगाववाद के बारे में हमारी एक जैसी चिंताएं हैं।

हम दोनों ही आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से एक साथ खड़े हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी हमारा एक जैसा नजरिया है।

हम सहमत हैं कि अफगानिस्तान में शांति की बहाली के लिए एक ऐसी प्रक्रिया आवश्यक है जो स्वयं अफगानिस्तान की अगुआई, स्वामित्व और नियंत्रण में हो। पिछले दो दशकों की उपलब्धियों को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।

भारत और उज्बेकिस्तान ने मिलकर India-Central Asia Dialogue की पहल ली थी। इसकी शुरुआत पिछले वर्ष समरकंद से हुई थी।

Excellency,

पिछले कुछ वर्षों में हमारी आर्थिक साझेदारी भी मजबूत हुई है।

हम उज्बेकिस्तान के साथ अपनी development partnership को भी और घनिष्ट बनाना चाहते हैं।

मुझे यह जानकर खुशी है कि भारतीय Line of Credit के अंतर्गत कई projects पर विचार किया जा रहा है।

आपकी विकास प्राथमिकताओं के अनुसार हम भारत की expertise और experience साझा करने के लिए तैयार हैं।

Infrastructure, IT, शिक्षा, स्वास्थ्य, training और capacity building जैसे क्षेत्रों में भारत में काफी काबिलियत है, जो उज्बेकिस्तान के काम आ सकती है। हमारे बीच कृषि संबंधित Joint Working Group की स्थापना एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम है। इससे हम अपने कृषि व्यापार बढ़ाने के अवसर खोज सकते हैं जिससे दोनों देशों के किसानों को मदद मिलेगी।

Excellency,

हमारी सुरक्षा साझेदारी द्विपक्षीय संबंधों का एक मजबूत स्तम्भ बनती जा रही है।

पिछले वर्ष हमारे सशस्त्र बलों का सबसे पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास हुआ।

Space और Atomic energy के क्षेत्रों में भी हमारे संयुक्त प्रयास बढ़ रहे हैं।

यह भी संतोष का विषय है कि कोविड-19 महामारी के इस कठिन समय में दोनों देशों ने एक-दूसरे को भरपूर सहयोग दिया है। चाहे दवाइयों की आपूर्ति के लिए हो या एक-दूसरे के नागरिकों को सुरक्षित घर लौटाने के लिए।

हमारे प्रदेशों के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। गुजरात और अन्दिजों की सफल भागीदारी के मॉडल पर अब हरियाणा और फरगाना के बीच सहयोग की रूपरेखा बन रही है।

Excellency,

आपके नेतृत्व में उज्बेकिस्तान में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं, और भारत में भी हम reforms के मार्ग पर अडिग हैं।

इससे Post-Covid काल में हमारे बीच आपसी सहयोग की संभावनाएं और बढ़ेंगी।

मुझे विश्वास है कि आज की हमारी इस चर्चा से इन प्रयासों को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

Excellency,

मैं अब आपको आपके Opening Remarks के लिए आमंत्रित करता हूं।

DS/AK

(रिलीज़ आईडी: 1679926) आगंतुक पटल : 351

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

प्रधानमंत्री कार्यालय

भारत-बांग्लादेश द्वीपक्षीय आभासी शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की शुरुआती टिप्पणी

प्रविष्टि तिथि: 17 DEC 2020 1:51PM by PIB Delhi

Your Excellency, प्रधानमंत्री शेख हसीना जी, नमस्कार!

बिजोय दिवशेर औनेक औनेक ओभीनोंदन आर पोश पारबेनेर शुबेच्छा !

आज सारी दुनिया virtual summits कर रही है। लेकिन आपके और मेरे लिए यह माध्यम नया नहीं है। कई वर्षों से हम वीडियो के माध्यम से बातचीत करते रहे हैं।

कई बार हमने वीडियो के माध्यम से projects को launch और inaugurate भी किया है।

Excellency,

विजय दिवस के तुरंत बाद, आज की हमारी मुलाकात और अधिक विशेष महत्व रखती है।

Anti-liberation forces पर बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत को आपके साथ विजय दिवस के रूप में मनाना हमारे लिए गर्व की बात है।

आज जब बांग्लादेश आजादी के उनचास वर्ष मना रहा है, मैं दोनों देशों के शहीदों को, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी, श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ।

विजय दिवस के अवसर पर कल मैंने भारत में राष्ट्रीय समर स्मारक में श्रद्धासुमन अर्पित किए। और एक 'स्वर्णिम विजय मशाल' प्रज्वलित करी।

यह चार 'विजय मशाल' पूरे भारत में भ्रमण करेंगी, हमारे शहीदों के गाँव-गाँव ले जाई जाएँगी।

16 दिसम्बर से हम 'स्वर्णिम विजय वर्ष' मना रहें हैं, जिसमे भारत भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

Excellency,

'मुजीब बर्ष' के अवसर पर मैं सभी भारतीयों की ओर से आपको बधाई देता हूँ।

अगले वर्ष बांग्लादेश यात्रा के निमंत्रण के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ। आपके साथ बंगबंधु को श्रद्धांजलि अर्पित करना मेरे लिए गर्व की बात होगी।

Excellency,

बांग्लादेश हमारी 'Neighbourhood First' नीति का एक प्रमुख स्तम्भ है। बांग्लादेश के साथ संबंधों में मजबूती और गहराई लाना मेरे लिए पहले दिन से ही विशेष प्राथमिकता रही है।

यह बात सही है कि वैश्विक महामारी के कारण यह वर्ष चुनौतीपूर्ण रहा है।

लेकिन संतोष का विषय है, कि इस कठिन समय में भारत और बांग्लादेश के बीच अच्छा सहयोग रहा।

चाहे वो दवाइयों या मेडिकल equipment में हो, या फिर health professionals का साथ काम करना हो। वैक्सीन के क्षेत्र में भी हमारे बीच अच्छा सहयोग चल रहा है। इस सिलसिले में हम आपकी आवश्यकताओं का भी विशेष ध्यान रखेंगे।

SAARC framework के तहत बांग्लादेश के योगदान के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ।

स्वास्थ्य के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी इस वर्ष हमारी विशेष साझेदारी निरंतर आगे बढ़ती रही है।

Land border trade में बाधाओं को हमने कम किया। दोनों देशों के बीच connectivity का विस्तार किया। नए साधनों को जोड़ा।

यह सब हमारे संबंधों को और अधिक मजबूत करने के हमारे इरादों को दर्शाता है।

Excellency,

"मुजीब चिरंतर" - बंगबंधु का संदेश eternal है। और इसी भाव से हम भी उनकी legacy का सम्मान करते हैं।

आपके उत्तम नेतृत्व में बंगबंधु की legacy स्पष्ट रूप से झलकती है। साथ ही, हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए आपकी निजी प्रतिबद्धता भी स्पष्ट है।

यह मेरे लिए गर्व की बात है कि आज आपके साथ बंगबंधु के सम्मान में एक डाक टिकट का विमोचन, और बापू और बंगबंधु के ऊपर एक डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन करने का मौका मिल रहा है। मैं आशा करता हूँ कि बापू और बंगबंधु की प्रदर्शनी हमारे युवाओं को प्रेरणा देगी, इसमें विशेष section कस्तुरबा गाँधी जी और पूजनीय बंगमाता जी को भी dedicate किया गया है।

Excellency,

अब मैं आपके opening remarks आमंत्रित करना चाहूंगा।

DS/VJ/AK

(रिलीज़ आईडी: 1681387) आगंतुक पटल : 254

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Manipuri , Bengali , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

भारत-जापान संवाद सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संदेश

प्रविष्टि तिथि: 21 DEC 2020 10:01AM by PIB Delhi

प्रिय मित्रों,

छठे भारत-जापान संवाद सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है।

हमने पांच साल पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री श्री शिंजो आबे के साथ सम्मेलनों की यह श्रृंखला शुरू की थी। तब से, संवाद की यह यात्रा नई दिल्ली से टोक्यो, यंगून से उलानबटार तक होकर गुजरी है। यह यात्रा वार्ता और बहस को प्रोत्साहन देने, लोकतंत्र, मानवतावाद, अहिंसा, स्वतंत्रता और सहिष्णुता के साझा मूल्यों पर प्रकाश डालने और आध्यात्मिक तथा विद्वत्तापूर्ण आदान-प्रदान की हमारी प्राचीन परंपरा को आगे बढ़ाने के अपने मूल उद्देश्यों के लिए हमेशा उचित रही है। मैं 'संवाद' को निरंतर समर्थन प्रदान करने के लिए जापान सरकार को धन्यवाद देता हूँ।

मित्रों,

इस मंच ने विशेष रूप से युवाओं में भगवान बुद्ध के विचारों और आदर्शों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा काम किया है। ऐतिहासिक रूप से गौतम बुद्ध के संदेशों का प्रकाश भारत से दुनिया के अनेक हिस्सों तक फैला है। यह प्रकाश एक स्थान पर स्थिर नहीं रहा है। जिस नये स्थान पर यह प्रकाश पहुंचा है वहां भी बौद्ध धर्म के विचारों ने सदियों से आगे बढ़ना जारी रखा है। इस कारण बौद्ध धर्म के साहित्य और दर्शन का यह बहुमूल्य खजाना अलग-अलग देशों और भाषाओं में अनेक मठों में पाया जाता है।

लेखन पूरी मानवता का खजाना होता है। मैं आज ऐसे सभी पारंपरिक बौद्ध साहित्य और धर्म ग्रंथों के लिए पुस्तकालयों के सृजन का प्रस्ताव करना चाहता हूँ। हम भारत में इस तरह की सुविधा का निर्माण करने में प्रसन्नता का अनुभव करेंगे और इसके लिए उचित संसाधन भी उपलब्ध कराएंगे। यह पुस्तकालय विभिन्न देशों से इस प्रकार के बौद्ध साहित्य की डिजिटल प्रतियों का संग्रह करेगा। इसका उद्देश्य ऐसे साहित्य का अनुवाद करना और इसे बौद्ध धर्म के सभी भिक्षुओं और विद्वानों को स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराना है। यह पुस्तकालय ऐसे साहित्य का भंडार मात्र ही नहीं होगा।

यह शोध और संवाद के लिए एक मंच तथा मनुष्यों के बीच, समाज के बीच तथा मनुष्य और प्रकृति के बीच एक सच्चा 'संवाद' भी होगा। इसके शोध में यह जांच करना भी शामिल होगा कि बुद्ध के संदेश किस प्रकार समकालीन चुनौतियों के मुकाबले हमारे आधुनिक विश्व का मार्गदर्शन कर सकते हैं। इनमें गरीबी, जातिवाद, उग्रवाद, लिंग भेदभाव, जलवायु परिवर्तन और ऐसी कई अन्य चुनौतियां शामिल हैं।

मित्रों,

लगभग तीन सप्ताह पहले मैं सारनाथ गया था। सारनाथ वह जगह है जहाँ गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद अपना पहला उपदेश दिया था। सारनाथ से प्रकट हुआ यह ज्योति पुंज पूरी दुनिया में फैल गया और इसने करुणा, महानता और सबसे बढ़कर पूरी मानवता की भलाई के लिए मानव कल्याण को गले लगाया। इसने धीरे-धीरे शांतिपूर्वक विश्व इतिहास के मार्ग को ही परिवर्तित कर दिया। सारनाथ में

ही भगवान बुद्ध ने धम्म के अपने आदर्श के बारे में विस्तार से उपदेश दिया था। धम्म के केन्द्र में मानव और अन्य मनुष्यों के साथ उनका संबंध स्थित हैं। इस प्रकार अन्य मनुष्यों के जीवन में सकारात्मक शक्ति होना ही सबसे महत्वपूर्ण है। संवाद ऐसा होना चाहिए जो हमारे इस ग्रह में सकारात्मकता, एकता और करुणा की भावना का प्रसार करे और वह भी ऐसे समय में जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

मित्रों,

यह नए दशक का पहला संवाद है। यह मानव इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर में आयोजित किया जा रहा है। आज किये जाने वाले हमारे कार्य हमारे आने वाले समय का आकार और रास्ता तय करेंगे। यह दशक और उससे आगे का समय उन समाजों का होगा, जो सीखने और साथ-साथ नव परिवर्तन करने पर उचित ध्यान देंगे। यह उज्ज्वल युवा मस्तिष्कों को पोषित करने के बारे में भी है, जिससे आने वाले समय में मानवता के मूल्यों को बढ़ावा मिलेगा। शिक्षण ऐसा होनी चाहिए जिससे नवाचार को आगे बढ़ाया जा सके। कुल मिलाकर नवाचार मानव सशक्तिकरण का मुख्य आधार है।

समाज जो खुले दिमाग वाला लोकतांत्रिक और पारदर्शी है वही नवाचार के लिए अधिक उपयुक्त है। इसलिए प्रगतिरूपी प्रतिमान को बदलने का अब पहले की अपेक्षा बेहतर समय है। वैश्विक विकास की चर्चा कुछ लोगों के बीच ही नहीं की जा सकती है। इसके लिए दायरे का बड़ा होना जरूरी है। इसके लिए कार्य सूची भी व्यापक होनी चाहिए। प्रगति के स्वरूप को मानव केन्द्रित दृष्टिकोण का अनुसरण करना चाहिए और वह हमारे परिवेश के अनुरूप होना चाहिए।

मित्रों,

यमक वग्गो धम्मपदः में उचित रूप से वर्णन किया गया है-

न हि वेरेन वेरानि, सम्मन्तीध कुदाचं।

अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो॥

शत्रुता से कभी शांति हासिल नहीं होगी। विगत में, मानवता ने सहयोग के बजाय टकराव का रास्ता अपनाया। साम्राज्यवाद से लेकर विश्व युद्ध तक, हथियारों की दौड़ से लेकर अंतरिक्ष की दौड़ तक, हमने संवाद किए लेकिन उनका उद्देश्य दूसरों को नीचे खींचना था। आइये, अब हम मिलकर ऊपर उठें। गौतम बुद्ध की शिक्षाओं से हमें शत्रुता को सशक्तता में बदलने की शक्ति मिलती है। उनकी शिक्षाएँ हमें बड़ा दिलवाला बनाती हैं। वे हमें विगत से सीखने और बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में काम करने की शिक्षा देती हैं। यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे अच्छी सेवा है।

मित्रों,

‘संवाद’ का सार घनिष्ठता बनाए रखना है। ‘संवाद’ हमारे अंदर बेहतर समावेश करे, यह हमारे प्राचीन मूल्यों को आकर्षित करने और आने वाले समय के लिए अपने आपको तैयार करने का समय है। हमें मानवतावाद को अपनी नीतियों के केन्द्र में रखना चाहिए। हमें अपने अस्तित्व के केंद्रीय स्तंभ के रूप में प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व स्थापित करना चाहिए। स्वयं अपने साथ, अपने अन्य साथियों और प्रकृति के साथ ‘संवाद’ इस पथ पर हमारा मार्ग प्रकाशित कर सकता है। मैं ऐसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देता हूँ और उनके विचार-विमर्श में सफलता की कामना करता हूँ।

एमजी/एम/आईपीएस/वाईबी-

(रिलीज़ आईडी: 1682358) आगंतुक पटल : 558

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Bengali , Manipuri , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

भारत-वियतनाम आभासी शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की प्रारंभिक टिप्पणी

प्रविष्टि तिथि: 21 DEC 2020 5:11PM by PIB Delhi

Excellency, नमस्कार!

सबसे पहले, Central Vietnam में बाढ़ और भू-स्खलन के कारण जो क्षति हुई है उसके लिए मैं सभी भारतवासियों के ओर से संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि इस परिस्थिति से निपटने में भारत द्वारा भेजी गई राहत सामग्री आपके काम आएगी।

Excellency,

वियतनाम ने जिस सफलता से कोविड-19 pandemic को संभाला है, इस की प्रशंसा पूरे विश्व में हो रही है। मैं इसके लिए आपको और वियतनाम के नागरिकों को बधाई देता हूँ।

Excellency,

पिछले महीने हम आसियान-India Virtual Summit में मिले थे। और मुझे खुशी है कि आज फिर आपसे बातचीत करने का अवसर मिला है। वियतनाम भारत की Act East Policy का महत्वपूर्ण स्तम्भ है, और हमारे Indo-Pacific Vision का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। हमारी Comprehensive Strategic Partnership का दायरा आज बहुत विस्तृत है। हमारे बीच आपसी संपर्क भी तेज़ी से बढ़ रहे हैं और नए क्षेत्रों में फैल रहे हैं।

हम Vietnam के साथ अपने संबंधों को एक long-term और strategic view से देखते हैं। Indo-Pacific region में peace, stability and prosperity हमारे साझा उद्देश्य हैं। इस क्षेत्र में स्थिरता और शांति क़ायम रखने के लिए हमारी साझेदारी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

आज के Virtual Summit में हम अपनी Comprehensive Strategic Partnership के अंतर्गत चल रहे सहयोग के विभिन्न पहलुओं का आकलन करेंगे। साथ ही regional और multilateral स्तर पर भी हमारे आपसी सहयोग के विषय में चर्चा करने का यह अच्छा मौका है।

वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियों के बारे में, और हमारे क्षेत्र के भविष्य के बारे में, हमारे विचारों में समानता है, और हम साथ मिल कर अपने साझा मूल्यों को आगे बढ़ा सकते हैं। अगले साल हम दोनों संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में एक साथ सदस्य होंगे। और इसलिए वैश्विक मंच पर हमारे सहयोग का महत्व और भी बढ़ जाता है।

यह प्रसन्नता की बात है कि आज हम एक Joint Vision Document, और 2021 से 2023 तक के हमारे bilateral engagement के लिए एक Plan of Action को जारी कर रहे हैं। इस Joint Vision for Peace, Prosperity and People से विश्व को हमारे संबंधों की गहराई का एक मजबूत संदेश जायेगा। हमारी वार्ता के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सात महत्वपूर्ण समझौते भी sign हुए हैं।

इनमें रक्षा, वैज्ञानिक research, परमाणु ऊर्जा, petro-chemicals, renewable energy तथा cancer के इलाज जैसे विविध विषय शामिल हैं। हम अपने विकास सहयोग, और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में भी नई पहल ले रहे हैं। यह सभी हमारे बढ़ते आपसी सहयोग के विस्तार और potential को दर्शाता है।

Excellency,

मैं फिर एक बार इस Virtual Summit में आपका स्वागत करता हूँ अब मैं आपके Opening Remarks आमंत्रित करना चाहूँगा।

DS/SH/AK

(रिलीज़ आईडी: 1682401) आगंतुक पटल : 167

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Urdu